सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube
Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com
परिवहन विशेष
वर्ष 01, अंक 319, नई दिल्ली । रविवार, 28 जनवरी 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने मिशन में सफल होने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एक चित भाव से समर्पित होना पड़ेगा ।

03 'आप के सात विधायकों को खरीदने की कोशिश में भाजपा
06 भारत के हिन्दू मन्दिरों ने पर्यटन के पंख लगाये
08 मतदान से पहले पश्चिम ओडिशा 3 पार्टियों के फोकस में है

दिल्लीवालों के लिए बुरी खबरः ...अगर ऐसे बने हालात, राजधानी दिल्ली में बढ़ जाएगा चार गुना पार्किंग शुल्क

दिल्लीवालों पर जल्द ही एक नया बोझ पड़ सकता है। राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता की स्थिति बहुत खराब होने पर अब दिल्ली नगर निगम इलाके में पार्किंग का शुल्क चार गुणा तक चुकाना पड़ सकता है। निगम इसकी तैयारी कर रहा है इसलिए इसके तहत नियमों और नीति में संशोधन के लिए प्रस्ताव 29 जनवरी को होने वाली निगम सदन की बैठक में रखा जाएगा।

संजय बाटला

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता की स्थिति बहुत खराब होने पर अब दिल्ली नगर निगम इलाके में पार्किंग का शुल्क चार गुणा तक चुकाना पड़ सकता है।

निगम इसकी तैयारी कर रहा है, इसलिए इसके तहत नियमों और नीति में संशोधन के लिए प्रस्ताव 29 जनवरी को होने वाली निगम सदन की बैठक में रखा जाएगा।

इसकी मंजूरी के बाद जब भी ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) का दूसरा चरण लागू होते ही पार्किंग का शुल्क चार गुणा तक बढ़ जाएगा।

चार चरणों में बंटा है ग्रेप

एमसीडी के प्रस्ताव के तहत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वायु गुणवत्ता स्तर के हिसाब से ग्रेप को चार चरणों में बांटा है। इसके तहत जब वायु गुणवत्ता स्तर बहुत खराब स्थिति में पहुंच जाएगा तो ग्रेप का दूसरा चरण लागू हो जाएगा।

इसके लागू होते ही लोग सार्वजनिक वाहनों का प्रयोग करें और निजी वाहनों का उपयोग कम कर दें इसके लिए पार्किंग का शुल्क चार गुणा करने का नियम है।

इसी का हवाला देते हुए एमसीडी आयुक्त ने सदन के सामने नियमों का हवाला देते हुए इससे सबंधी नियमों को लागू करने की मंजूरी सदन से मांगी है।

सदन की मंजूरी के बाद नियम बन जाएगा प्रस्ताव

सदन की मंजूरी के बाद इस प्रस्ताव को नियम बना दिया जाएगा। जैसे ही ग्रेप का दूसरा चरण लागू होगा निगम पार्किंग के शुल्क चार गुना करने का आदेश जारी कर देगा।

ग्रेप का दूसरा चरण हटने के बाद दाम कम करने के आदेश जारी कर देगा। उल्लेखनीय है कि दिल्ली नगर निगम करीब 425 स्थलीय और बहुमंजिला पार्किंग का संचालन करता है।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने तो ग्रेप दो के लागू होने के बाद दिसंबर में ही पार्किंग के शुल्क दोगुना कर दिए थे। एनडीएमसी इलाके में अभी सभी पार्किंग पर 31 जनवरी तक पार्किंग के दाम दोगुना वसूले जा रहे हैं।

क्या है ग्रेप

ग्रेप को चार चरणों में बांटा गया है। जब भी हवा की गुणवत्ता स्तर के हिसाब से इसका विभाजन किया गया है। हर चरण में कुछ न कुछ पाबंदिया उद्योग से लेकर वाहनों और निर्माण गतिविधियों में रहती है। किस वायु गुणवत्ता स्तर पर ग्रेप का है कौन चरण जानते हैं इस टेबल में।

ग्रेप का पहला चरण	201 से 300
ग्रेप का दूसरा चरण	301 से 400
ग्रेप का तीसरा चरण	401 से 450
ग्रेप का चौथा चरण	401 से 450

क्या हैं एमसीडी के पार्किंग शुल्क

चार पहिया- पहले से चार घंटे तक 20 रुपये घंटा इससे अधिक पर 24 घंटे के लिए 100 रुपये

दो पहिया- पहले घंटे से चार घंटे तक 10 रुपये घंटा इससे अधिक पर 24 घंटे के लिए 50 रुपये

परिवहन विशेष
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र
Title Code : DELHIN28985
PARIVAHAN VISHESH NEWS

1. Web Portal https://www.newsparivahan.com/
2. facebook https://www.facebook.com/newsparivahan00
3. Twitter https://twitter.com/newsparivahan
4. Linkedin https://www.linkedin.com/in/news-parivahan-169680298/
5. Instagram https://www.instagram.com/news_parivahan/
6. Youtube https://www.youtube.com/@NewsParivahan

पर आप सभी के लिए 24 घण्टे उपलब्ध

3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, A-4 पश्चिम विहार, नई दिल्ली : 110063
सम्पर्क : 9212122095, 9811732095

www.newsparivahan.com, www.newstransport.in
Info@newsparivahan. com, news@newsparivahan.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

कोहरा बना आफतः आगे चल रहे कैंटर से भिड़ी बस, पीछे से दो कार भी टकराई; भीषण हादसे में एक की मौत और नौ घायल

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रेटर नोएडा के थाना जेवर क्षेत्र के अंतर्गत नोएडा से आगरा की ओर जाने वाले रास्ते पर घने कोहरे के कारण कैंटर गाडी में पीछे से बस टकरा गई। बस में अन्य दो कार पीछे से टकरा गई, जिसमें नौ लोग घायल हो गए और एक शख्स की मौत हो गई।

नई दिल्ली । इन दिनों दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में भयंकर ठंड देखने को मिल रही है। ठंड के बीच कोहरे ने भी आफत मचाई हुई है। घने कोहरे में विजिबिलिटी बेहद कम हो गई है। इसकी वजह से सड़कों पर वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। देर रात नोएडा के जेवर थानाक्षेत्र में बड़ा हादसा हो गया। हादसे में एक शख्स की मौत हो गई और नौ घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, थाना जेवर क्षेत्र के अंतर्गत नोएडा से आगरा की ओर जाने वाले रास्ते पर घने कोहरे के कारण कैंटर गाडी में पीछे से बस टकरा गई। बस में अन्य दो कार पीछे से टकरा गई, जिसमें नौ लोग घायल हो गए और एक शख्स की मौत हो गई। मृतक की पहचान सत्य प्रकाश पुत्र कमलेश कुमार ग्राम कोयला सरैया जिला इटावा के रूप में हुई है।

हादसे की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। जिसके बाद मौके पर पुलिस बल पहुंचा और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

घर से देखकर निकलें दिल्ली वाले, पुलिस ने बीटिंग रिट्रीट समारोह के लिए जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी

परिवहन विशेष न्यूज

बीटिंग रिट्रीट समारोह को लेकर दिल्ली पुलिस ने सोमवार को ट्रैफिक एडवाइजरी जारी कर दी है ताकि यातायात व्यवस्था में कोई परेशानी न हो। पुलिस ने रायसीना रोड से लेकर दारा शिकोह चौराहे तक किसी भी तरह के वाहन को एंट्री के लिए प्रतिबंध कर दिया है। दिल्ली में होने वाली बीटिंग रिट्रीट समारोह गणतंत्र दिवस समारोह के औपचारिक अंत का प्रतीक है।

नई दिल्ली । हर साल की तरह इस साल भी विजय चौक पर बीटिंग रिट्रीट समारोह होने जा रहा है। इसको लेकर दिल्ली पुलिस ने सोमवार को ट्रैफिक एडवाइजरी जारी कर दी है, ताकि यातायात व्यवस्था में कोई परेशानी न हो। पुलिस ने रायसीना रोड से लेकर दारा शिकोह चौराहे तक किसी भी तरह के वाहन को एंट्री के लिए प्रतिबंध कर दिया है।

यहां यातायात की अनुमित नहीं

एडवाइजरी में कहा गया है कि सुनहरी मस्जिद चौराहे और कृषि भवन चौराहे के बीच रफी मार्ग पर, कृषि भवन चौराहे से विजय चौक की ओर रायसीना रोड पर, दारा शिकोह चौराहे से आगे, कृष्ण मेनन मार्ग चौराहे और सुनेहरी मस्जिद से विजय चौक की ओर यातायात की अनुमति नहीं होगी। बीटिंग रिट्रीट समारोह गणतंत्र दिवस समारोह के औपचारिक अंत का प्रतीक है।

वैकल्पिक मार्ग अपनाएं आम लोग

आगे कहा गया है कि विजय चौक और 'सी' हेक्सागोन के बीच कर्तव्य पथ पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यात्रियों को रिंग रोड, रिज रोड, अरबिंदो मार्ग, मदरसा टी-प्वाइंट, लोधी रोड, सफदरजंग रोड, कमल अतातुर्क मार्ग, रानी झांसी रोड और मिंटो रोड जैसे वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी गई है।

यहां उपलब्ध होगी सेरेमनी देखने वालों के लिए पार्किंग

आगे एडवाइजरी में कहा गया है कि आमंत्रित लोगों और दर्शकों के वाहनों की सुविधा के लिए और समारोह स्थल और इंडिया गेट के आसपास की सड़कों पर यातायात की भीड़ से बचने के लिए सोमवार को दोपहर दो बजे से रात 9.30 बजे तक बसों को उनके सामान्य मार्गों से हटा दिया जाएगा। वहीं शाम सात बजे के बाद रफी मार्ग और 'सी' हेक्सागन के बीच विजय चौक पर सेरेमनी देखने आने वालों के लिए पार्किंग उपलब्ध होगी।

पुलिस ने आम जनता और मोटर चालकों को धैर्य रखने, यातायात नियमों और सड़क अनुशासन का पालन करने और सभी चौराहों पर तैनात यातायात कर्मियों के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी जाती है।

अयोध्या में ट्रैफिक की भीड़ कम करने के लिए एनएचएआई ने मांगी विशेष मंजूरी, 3500 करोड़ रुपये की है योजना

परिवहन विशेष न्यूज

अयोध्या और आसपास के इलाकों में बढ़ते ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय सक्रिय हो गया है। मंत्रालय ने केंद्र से 3,570 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 68 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड बाईपास बनाने की विशेष मंजूरी मांगी है।

नई दिल्ली । अयोध्या और आसपास के इलाकों में बढ़ते ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय सक्रिय हो गया है। मंत्रालय ने केंद्र से 3,570 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 68 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड बाईपास बनाने की विशेष मंजूरी मांगी है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने इस 4/6 लेन के हाईवे के लिए टेंडर आमंत्रित किए हैं। यह हाईवे लखनऊ, बस्ती और गोंडा जिलों को कवर करेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह परियोजना दो भागों में - उत्तर अयोध्या और दक्षिण अयोध्या बाईपास होगी। यह योजना राम मंदिर के उद्घाटन के बाद क्षेत्र में यात्री और मालवाहक वाहनों की आवाजाही में उच्च बढ़ोतरी की उम्मीद को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। अनुमान के मुताबिक, 2033 में यातायात मौजूदा 89,023 प्रतिदिन से बढ़कर 2.17 लाख प्रतिदिन हो सकता है। बाईपास को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मोड पर बनाया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि विशेष मंजूरी इसलिए मांगी गई है क्योंकि वित्त मंत्रालय ने सड़क मंत्रालय को फिलहाल भारतमाला के तहत कोई नई परियोजना शुरू नहीं करने को कहा है। उन्होंने कहा कि चूंकि परियोजना की लागत 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इसलिए मंत्रालय को पीपीपी परियोजनाओं का मूल्यांकन करने वाली शीर्ष समिति से अनुमोदन हासिल करने की जरूरत है। NHAI ढाई साल में निर्माण कार्य पूरा करना चाहता है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

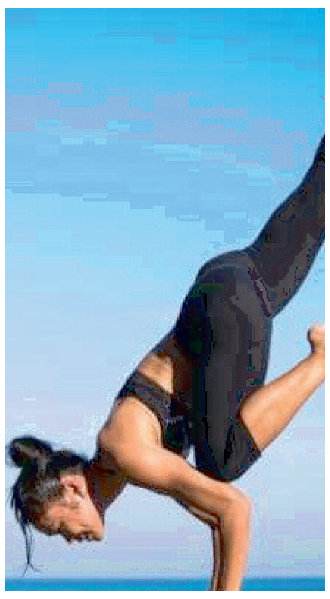

महिलाएं हर दिन करें ये 3 योगासन, बिना जिम के मिलेगा स्लिम-ट्रिम लुक

एक्सरसाइज या योग करना सेहत के लिए फायदेमंद है. नियमित योग और एक्सरसाइज करने से कई तरह की बीमारियों से बचा जा सकता है. इससे कई बीमारियों से निजात भी मिलती है. बिजी रहने की वजह से या घर से बाहर न जाने की आदत के चलते कई बार महिलाओं के लिए जिम या योग केंद्र जाना पॉसिबल नहीं हो पाता है. कई बार महिलाएं चाहते हुए भी जिम नहीं जा पाती हैं और अपनी सेहत के साथ समझौता कर लेती हैं. हालांकि अगर आप चाहें तो घर में रहकर भी कुछ खास योगासन की मदद ले सकती हैं. जो आपको स्वस्थ रखने में अच्छी भूमिका निभा सकते हैं.

यूपी के लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की ऑर्थोपेडिक सर्जरी डिपार्टमेंट की क्लीनिकल योग इंस्ट्रक्टर डॉ. वंदना अवस्थी से उन योगासनों के बारे में जानते हैं, जो आपको स्वस्थ रखने के साथ कई बीमारियों से राहत देने में मदद करेंगे. वैसे तो कोई भी आसन सुबह के समय करना बेहतर होता है लेकिन समय न मिलने पर जब भी करें तो खाना खाने के बाद कम से कम दो घंटे का गैप जरूर रखें. इतना ही नहीं इन योगासनों को करने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें.

चक्की चलनासन

इस योगासन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर योगा मैट बिछाकर बैठ जायें. अपने दोनों पैरों को आगे की तरफ फैला कर मैक्सिमम गैप बनाएं. इस दौरान रीढ़ की हड्डी को सीधा रखे. अब हाथों को जमीन पर एकदम सामने की ओर सीधा रखकर उंगलियों को आपस में फंसा लें. फिर अपने हाथों को क्लॉक वाइज यानी दायीं से बायीं तरह गोल-गोल उसी तरह से घुमायें जैसे चक्की चलाई जाती है. इसके बाद विपरीत दिशा में यही प्रक्रिया दोहराएं. इस योगासन को शुरू में एक-दो मिनट करें फिर धीरे-धीरे समय को बढ़ाएं. इस योगासन से पीसीओडी की दिक्कत में राहत मिलती है. जिससे अनियमित मासिक धर्म धीरे-धीरे नियमित होने लगता है साथ ही दर्द और ऐंठन से भी राहत मिलती है. इतना ही नहीं ये मेंटल स्ट्रेस को कम करने और मोटापे से निजात दिलाने में भी मदद करता है.

तितली आसन

तितली आसन करने के लिए योगा मैट पर सूर्य की ओर मुख कर के आराम की मुद्रा में बैठें. फिर अपने दोनों पैरों को आगे की तरफ फैला कर इस तरह से मोड़ें जिससे दोनों पैरों के तलवे आपस में मिल जायें. अब दोनों हाथों से पैर के तलवों को अच्छी तरह से पकड़ लें.अब तितली की तरह अपने पैरों को हिलाएं. इस आसन को भी शुरू में एक-दो मिनट करें फिर अपनी कैपिसिटी के अनुसार धीरे-धीरे इसका समय बढ़ाएं. तितली आसन करने से भी पीसीओडी की दिक्कत से राहत मिलती है. साथ ही पीठ का दर्द और मसल्स स्ट्रेस भी दूर होता है. इतना ही नहीं इस आसन को तीन महीने की गर्भावस्था के बाद भी किया जा सकता है. ये आसन डिलीवरी को आसान बनाने में भी मदद करता है. नियमित रूप से तितली आसन करने से ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है.

दंडासन

दंडासन करने के लिए सबसे पहले जमीन पर बैठ जायें और पैरों को सामने की ओर फैला कर आपस में मिला लें. फिर दोनों हाथों को कंधों के बराबर अपनी जांघों के पास सीधा जमीन पर रखें.इस बीच रीढ़ की हड्डी को एकदम सीधा रखें. अब दोनों पैरों के पंजो को अपनी ओर खींचें, कुछ सेकेंड रोक कर रखें फिर ढीला छोड़ दें. इस प्रक्रिया को दस से पंद्रह बार अपने सामर्थ्य के अनुसार दोहराएं.

इन चीजों को लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाएं महिलाएं, हमेशा रहेंगी हेल्दी एंड हैप्पी

वर्चुअल एक्सरसाइज क्लासेस के जरिये भी आप फिट रह सकती हैं.

हम आपसे शेयर करने जा रहे हैं कुछ अमेजिंग फिटनेस टिप्स, जिसे फॉलो करके आप नए साल की फ्रेश और एक्टिव शुरूआत कर सकती हैं.

ऑनलाइन एक्सरसाइज

कोरोना का डर एक बार सबको फिर से सताने लगा है. ऐसे में खुद को फिट एंड फाइन रखना बहुत जरूरी है. इसलिए भीड़ में जाये बिना आप वर्चुअल एक्सरसाइज क्लासेस लेने का सिलसिला शुरू कर सकती हैं. एक्सरसाइज का ये ट्रेंड फॉलो करके आप जिम गए बिना भी फिट रह सकती हैं.

फंक्शनल फिटनेस ट्राई करें

रोज सुबह फंक्शनल फिटनेस एक्सरसाइज ट्राई करके आप दिन की एनर्जेटिक शुरूआत कर सकती हैं. इन एक्सरसाइज को करने के लिए आप घर पर रहते हुए योगा या फिटनेस एक्सपर्ट के ऑनलाइन वीडिओ देख सकती हैं और बिना कुछ खर्च किये फिटनेस ट्रेनिंग ले सकती हैं.

घर पर जिम करें

आजकल के बिजी शेड्यूल में ज्यादातर लोगों को जिम जाने का समय नहीं मिल पाता है. जिसके चलते लोग फिटनेस को अवॉयड कर देते हैं. ऐसे में नए साल पर घर में जिम सेटअप करके आप अपनी हेल्थ को बेस्ट गिफ्ट दे सकती हैं. इससे आप कम टाइम में डेली वर्कआउट कर सकेंगी.

फिटनेस एक्टिविटी करें

अगर आप फिजिकल एक्टिविटी में इन्वॉल्व होना पसंद करती हैं. तो ऐसे में नए साल पर आप मॉर्निंग वॉक, आउटडोर एक्सरसाइज, साइकलिंग और गेम्स खेलने जैसी फिजिकल एक्टिविटीज करके फिट रहने के साथ-साथ दिन की भी बेस्ट शुरूआत कर सकती हैं.

डांस प्रैक्टिस करें

अगर आप डांस करने की शौकीन हैं, तो नए साल में डांस को अपने डेली रूटीन में शामिल करके फिट रह सकती हैं. बता दें कि डांस का ये फिटनेस ट्रेंड आपका हेल्थ सीक्रेट बन सकता है. ऐसे में भांगड़ा, जुम्बा, हिप हॉप और क्लासिकल डांस करके आप फिटनेस के साथ अपनी हॉबी भी निखार सकती हैं।

कुछ सामान्य लक्षण जो 5 तरह के गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में होते हैं कॉमन, आप भी दें ध्यान

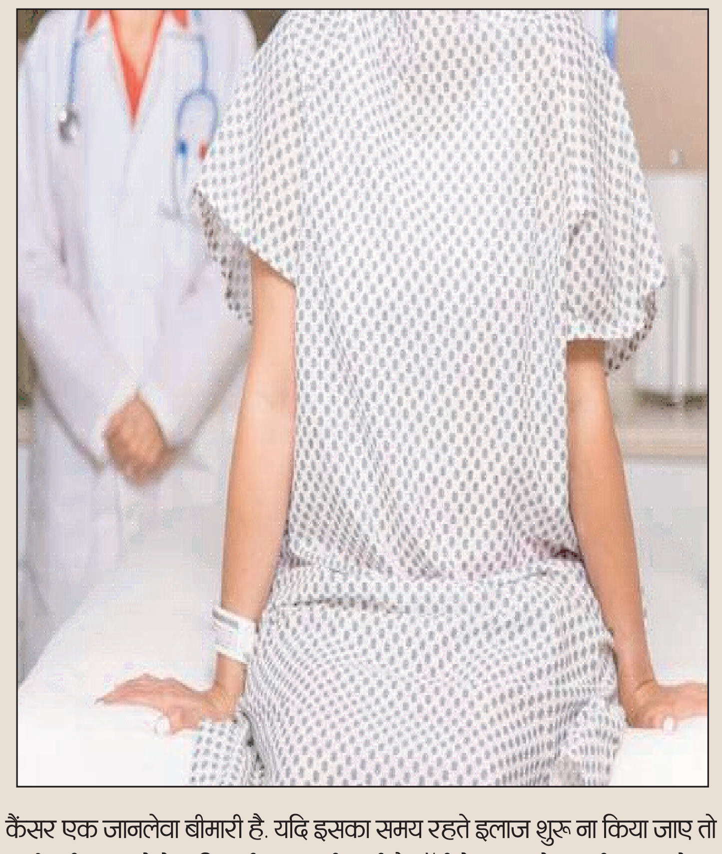

कैंसर एक जानलेवा बीमारी है. यदि इसका समय रहते इलाज शुरू ना किया जाए तो कई गंभीर मामलों में व्यक्ति की जान चली जाती है. बॉडी में ट्यूमर सेल्स की अनकंट्रोल्ड ग्रोथ सिर्फ एक बॉडी पार्ट के लिए नहीं, बल्कि पूरे शरीर के लिए खतरे की घंटी बन सकती है. कैंसर के कुछ ऐसे प्रकार हैं, जो सिर्फ महिलाओं को इनफेक्ट कर सकते हैं. ऐसे में महिलाओं में कैंसर की समस्या ज्यादा खतरनाक हो सकती है. ओवरीज, कोख या वेजाइना जैसे फीमेल रिप्रोडक्टिव पार्ट्स पर असर करने वाले ये गाइनेकोलॉजिकल कैंसर ढेरों बड़ी परेशानियों का कारण बन सकते हैं. सही समाधान के लिए सही समय पर बीमारी की पहचान कर, सही इलाज कराना जरूरी है. दवाइयों के साथ सही ट्रीटमेंट की मदद से इन परेशानियों से निजात पाई जा सकती है. आइए जानते हैं 5 तरह के गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में कौन से आम लक्षण देखे जाते हैं :

एमडैंडरसन डॉट ओआरजी के अनुसार, वुलवर कैंसर के अलावा सभी गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में ब्लीडिंग की समस्या देखने को मिलती है. वेजाइना से किसी भी तरह के डिस्चार्ज या ब्लीडिंग को नजरंदाज करना घातक साबित हो सकता है. पेट दर्द के साथ ही कमर दर्द भी किसी बड़े खतरे की दस्तक हो सकती है. ऐसे में सही समय डॉक्टर से परामर्श अवश्य ले लें.

-बार-बार पेशाब आना किसी गंभीर स्थिति की ओर इशारा हो सकता है. लगातार टॉयलेट जाने की शिकायत कैंसर के साथ ही अन्य परेशानियों का भी लक्षण हो सकती है. ऐसे में जल्द से जल्द डॉक्टर से सलाह करा लें.

-वेजाइना या दूसरे रिप्रोडक्टिव पार्ट्स में खुजली, जलन और ज्यादा सेंसटिविटी कैंसर का लक्षण हो सकती है. इन्फेक्शन में भी ऐसे लक्षण देखे जा सकते हैं, ऐसे में इन्हें इग्नोर करने का रिस्क लेने से बचें.

-सेक्स के दौरान या बाद में ज्यादा असामान्य दर्द महसूस होने पर जरूरी टेस्ट अवश्य करा लें. ये दर्द गाइनेकोलॉजिकल कैंसर के शुरुवाती लक्षणों में शुमार है.

-पेडू या पेल्विक एरिया में दर्द होना कैंसर की ओर संकेत करता है. बार-बार इस तरह का दर्द होने पर डॉक्टर को अवश्य दिखा लें नहीं तो समस्या के गंभीर होने की संभावना बढ़ जाती है.

-खाना खाने में असहजता, पेट जल्दी भर जाना, भूख कम लगना या सूजन भी गाइनेकोलॉजिकल कैंसर का संकेत हो सकता है. ऐसे में घबराने की जगह सही उपचार का ख्याल करें.

सर्दियों में इन चीजों को खाने से बचें महिलाएं

सर्दी के मौसम में शरीर को गर्म रखने के लिए ज्यादातर महिलाएं हेल्दी डाइट चार्ट फॉलो करती हैं. डाइटिशियन भी सर्दियों में घी, ड्राई फ्रूट्स, गुड़, अदरक, शकरकंद, गाजर, सरसों का साग और केसर जैसी चीजों को डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं. सर्दियों के दौरान ज्यादातर महिलाएं आइसक्रीम और कोल्ड ड्रिंक्स जैसी ठंडी चीजें भी खाना पसंद करती हैं. आपको जानकर हैरानी होगी कि सर्दियों में ठंडी चीजें खाने से सेहत को कई नुकसान हो सकते हैं. आइए आपको बताते हैं सर्दी में ठंडी चीजों का सेवन करने के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में.

पेट की प्रॉब्लम्स

हेल्थशॉट्स के अनुसार सर्दियों में ठंडा खाना खाने से आपको पेट से जुड़ी कई समस्याएं देखने को मिल सकती हैं. मसलन सर्दियों में ठंडी चीजों का सेवन करने से आपको पेट में सूजन, ऐंठन, पेट फूलना, थकान, बॉडी में शॉक महसूस होना और पाचन तंत्र वीक होने जैसी परेशानियां हो सकती हैं.

शरीर का तापमान कम होना

सर्दी के मौसम में बाहर का तापमान सामान्य से काफी नीचे चला जाता है. ऐसे में ठंडी चीजें खाने से आपकी बॉडी का टेंप्रेचर भी कम होने लगता है. जिससे ब्लड सर्कुलेशन पर बुरा असर पड़ता है और आपका खून जम भी सकता है.

गले में हो सकता है इंफेक्शन

जानकारों के अनुसार सर्दियों में ठंडा खाना खाने से आपको गले में थ्रोट इंफेक्शन हो सकता है. खासकर सर्दी के मौसम में कोल्ड कॉफी, कोल्ड ड्रिंक्स और ठंडे जूस पीने से आपको गले में खुजली, जलन और इरिटेशन होने लगती है. ऐसे में गले का खास ख्याल रखने के लिए आप गर्म दूध, सूप, नट्स, मसाले और हर्ब्स का सेवन कर सकते हैं.

जुकाम होने का खतरा

सर्दी के मौसम में बॉडी काफी सेंसटिव हो जाती है. ऐसे में ठंडी चीजों का सेवन करना बीमारी को बुलावा देने जैसा होता है. बता दें कि सर्दियों के दौरान ठंडी चीजें खाने से आप खांसी, जुकाम, बुखार और सीजनल फ्लू जैसी बीमारियों के शिकार हो सकते हैं.

पाचन पर पड़ेगा बुरा असर

सर्दियों में ठंडी चीजों का सेवन पाचन तंत्र को भी खासा प्रभावित करता है. दरअसल ठंडी चीजें काफी हैवी होती है. जिसे पचाने में आपको काफी दिक्कत आ सकती है. वहीं पाचन तंत्र कमजोर होने से आपका इम्यून सिस्टम भी वीक हो सकता है.

क्यों जरूरी है महिलाओं के लिए प्रोटीन? जानें डाइट में शामिल करने से क्या-क्या होते हैं फायदे

प्रोटीन के सेवन से आपको देर तक पेट भरे होने का अहसास होता है, जिससे आप कम कैलोरी का सेवन करती हैं. ऐसे में यह उन लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है

प्रोटीन के सेवन से देर तक पेट भरे होने का अहसास होता है, जिससे आप कम कैलोरी का सेवन करती हैं.प्रोटीन के सेवन से देर तक पेट भरे होने का अहसास होता है, जिससे आप कम कैलोरी का सेवन करती हैं.

प्रोटीन पुरुषों के साथ ही महिलाओं के लिए भी बहुत जरूरी होता है. इससे हेल्दी और फिट बॉडी लंबी उम्र तक बनाए रखने में मदद मिलती है. साथ ही, प्रोटीन मांसपेशियों के विकास और मसल्स फाइबर की मरम्मत के लिए भी जरूरी होता है. प्रोटीन एक प्रकार का मैक्रोन्यूट्रिएंट होता है, जो मसल मास और फिजिक को बनाए रखता है. महिलाओं के लिए प्रोटीन का सेवन बहुत महत्वपूर्ण होता है. प्रोटीन की जरूरत उम्र, एक्सरसाइज लेवल, कैलोरी इनटेक और अन्य कई कारकों पर निर्भर करता है. चूंकि, शरीर सभी आवश्यक अमीनो एसिड का निर्माण नहीं करता है, इसलिए सप्लीमेंट या डाइट में प्रोटीन को जरूर शामिल करना चाहिए. प्रोटीन, वसा और कार्ब्स के विपरीत, स्टोर नहीं किया जा सकता है. ऐसे में हर दिन प्रोटीन की आवश्यकता होती है.

महिलाओं के लिए प्रोटीन के फायदे

हेल्थकार्ट डॉट कॉम में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रोटीन बालों, त्वचा और नाखूनों को स्वस्थ और मजबूत रखने के लिए बहुत जरूरी होता है. ये सभी केराटिन से बने होते हैं, जो एक तरह का संरचनात्मक प्रोटीन है. चूंकि, केराटिन प्रोटीन से बना होता है, इसलिए शरीर में इसका निर्माण जारी रखने के लिए प्रोटीन युक्त फूड्स का सेवन करना जरूरी है. कोलेजन भी एक प्रोटीन है, जो हमारी त्वचा के वजन का 70% हिस्सा होता है. यह शरीर का सबसे प्रमुख प्रोटीन है, जो कनेक्टिव टिशूज में पाया जाता है. यह जोड़ों को स्थिर और गतिशील बनाए रखने में मदद करता है. प्रोटीन की कमी होने से समय से पहले त्वचा पर झुर्रियां पड़ सकती हैं.

मांसपेशियों को रखे मजबूत

महिलाओं के लिए प्रोटीन मांसपेशियों के पुनर्निर्माण में मदद करता है, क्योंकि यह अमीनो एसिड में उच्च होता है और मांसपेशियों में ऐंठन को दूर करता है. इससे लीन मसल मास बनाए रखने में मदद मिलती है. महिलाओं को उम्र बढ़ने के साथ ऑस्टियोपोरोसिस, अन्य हड्डियों की समस्या होने का रिस्क अधिक रहता है, ऐसे में उन्हें डायटरी प्रोटीन का सेवन अधिक करना चाहिए, ताकि मसल मास में इजाफा हो.

वजन होता है कम

प्रोटीन के सेवन से आपको देर तक पेट भरे होने का अहसास होता है, जिससे आप कम कैलोरी का सेवन करती हैं. ऐसे में यह उन लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है, जो वजन कम करना चाहती हैं. जिनका वजन बहुत अधिक है, वे यदि प्रोटीन ड्रिंक्स लेती हैं, तो इससे बॉडी वेट, फैट मास और कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ में सुधार होता है.

हड्डियां रहती हैं स्वस्थ

महिलाओं को हड्डियों से संबंधित समस्याएं बहुत होती हैं, ऐसे में सिर्फ कैल्शियम और विटामिन डी लेने से ही काम नहीं चलेगा, क्योंकि स्वस्थ और मजबूत हड्डियों के लिए प्रोटीन की भी जरूरत होती है. जब आप कम मात्रा में विटामिन डी और कैल्शियम का सेवन करती हैं, तो प्रोटीन ही हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है. अध्ययनों के अनुसार, उच्च प्रोटीन आहार लेने से बोन मिनरल डेंसिटी का लेवल अधिक और हड्डियों के नुकसान की दर कम होती है.

'आप के सात विधायकों को खरीदने की कोशिश में भाजपा, 25 करोड़ का दिया ऑफर' केजरीवाल का बड़ा आरोप

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार को गिराने की साजिश चल रही है। दिल्ली में एक बार फिर से ऑपरेशन लोटस चलाया जा रहा है। भाजपा आम आदमी पार्टी के 7 विधायकों के संपर्क में है और 25 करोड़ रुपये देने की बात भी कह रही है। यह आरोप दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी पर लगाए हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार को गिराने की साजिश चल रही है। दिल्ली में एक बार फिर से ऑपरेशन लोटस चलाया जा रहा है। भाजपा आम आदमी पार्टी के 7 विधायकों के संपर्क में है और 25 करोड़ रुपये देने की बात भी कह रही है। यह आरोप दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर लगाए हैं। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर एक लंबा पोस्ट साझा कर भाजपा पर कई आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही आज मंत्री आतिशी ने भी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर हमला किया है।

केजरीवाल ने पोस्ट में क्या लिखा

केजरीवाल ने अपने पोस्ट में लिखा, पिछले दिनों इन्होंने हमारे दिल्ली के 7 MLAs को संपर्क कर कहा है - 'कुछ दिन बाद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लेंगे। उसके बाद MLAs को तोड़ेंगे। 21 MLAs से बात हो गयी है। औरों से भी बात कर रहे हैं। उसके बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार गिरा देंगे। आप भी आ जाओ। 25 करोड़ रुपये देंगे और बीजेपी की टिकट से चुनाव लड़वा देंगे।'

हालांकि उनका दावा है कि उन्होंने 21 MLAs से संपर्क किया है लेकिन हमारी जानकारी के मुताबिक़ उन्होंने अभी तक 7 MLAs को ही संपर्क किया है और सबने मना कर दिया।

उन्होंने आगे लिखा, इसका मतलब किसी शराब घोटाले की जांच के लिए मुझे गिरफ़्तार नहीं किया जा रहा बल्कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार गिराने के लिए षड्यंत्र कर रहे हैं।

'नौ सालों में हुए कई षड्यंत्र'

पिछले नौ सालों में हमारी सरकार गिराने के लिए इन्होंने कई षड्यंत्र किए। लेकिन इन्हें कोई सफलता नहीं मिली। भगवान ने और जनता ने हमेशा हमारा साथ दिया। हमारे सभी MLA भी मजबूती से साथ हैं। इस बार भी ये लोग अपने नापाक इरादों में फेल होंगे।

ये लोग जानते हैं कि दिल्ली की जनता के लिए हमारी सरकार ने कितने काम किए हैं। इनकी पैदा की गयी तमाम अड़चनों के बावजूद हमने इतने काम किए हैं।

दिल्ली की जनता 'आप' से बेइंतहा प्यार करती है। इसलिए चुनावों में 'आप' को हराना इनके बस की बात नहीं। तो एक फ़र्ज़ी शराब घोटाले के बहाने गिरफ्तार करके सरकार गिराना चाहते हैं।

AAP के आरोपों पर भाजपा का पलटवार, आतिशी को दी साक्ष्य प्रकट करने की चुनौती

भाजपा का कहना है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व आम आदमी पार्टी के अन्य नेता राजनीतिक रूप से हताश हो गए हैं। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि 62 विधायकों की पार्टी में इतनी निराशा व हताशा है कि उसके नेता तथ्यहीन बयानबाजी कर रहे हैं। वह भाजपा पर आम आदमी पार्टी के विधायकों को तोड़ने की कोशिश के झूठे आरोप लगा रहे हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मंत्री आतिशी द्वारा शनिवार सुबह लगाए गए विधायक तोड़ने के आरोपों पर भाजपा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पलटवार किया है। भाजपा का कहना है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व आम आदमी पार्टी के अन्य नेता राजनीतिक रूप से हताश हो गए हैं। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि 62 विधायकों की पार्टी में इतनी निराशा व हताशा है कि उसके नेता तथ्यहीन बयानबाजी कर रहे हैं। वह भाजपा पर आम आदमी पार्टी के विधायकों को तोड़ने की कोशिश के झूठे आरोप लगा रहे हैं।

आईएनडीआईए गठबंधन का हाल पूरा देश देख रहा है। इनकी राजनीतिक जमीन अब खिसक गई है, इसलिए अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। आप नेता इस तरह के झूठे आरोप लगाकर राजनीतिक रूप से जिंदा रहने की कोशिश कर रही है। दिल्ली की जनता सच्चाई जानती है। प्रदेश मंत्री हरीश खुराना ने कहा कि वर्ष 2022 में भी आतिशी व अन्य आप नेताओं ने भाजपा पर आप विधायकों को तोड़ने का झूठे आरोप लगाए थे। उस समय भी भाजपा ने उनसे साक्ष्य देने की मांग की थी, जिसमें वह विफल रहे थे।

अल खैर पब्लिक स्कूल में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली - अल-खैर पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया जिसमें स्कूल के छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ अपने शैक्षणिक और साहित्यिक कौशल का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने संवादों और राष्ट्रगान पर नृत्य तथा लघु नाटिका के माध्यम से अपने कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनाब मोहम्मद हिदायतुल्लाह जेंटल एवं विशेष अतिथि के रूप मैं जनाब परवेज़ सिद्दीकी एवं जनाब नवाब साहब शामिल थे।

इस अवसर पर हिदायतुल्लाह ने कहा कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश के शहीदों को याद करना और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करना हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

ज्ञात हो कि अल-खैर पब्लिक स्कूल, जो खैर फाउंडेशन तत्वाधान में संचालित होता है। जिसके कुलपति डॉ. दरख्शां फिरदौस और संस्थापक डॉ. इंतेखाबुर रहमान हैं। स्कूल का उद्देश्य गरीब छात्रों को शिक्षा प्रदान करना और उनके जीवन को बेहतर बनाना है। ताकि वे अपने और देश के विकास में अहम भूमिका निभाएं।

डॉ. दरख्शां फिरदौस ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, प्रधानाचार्य, सभी शिक्षकों एवं अन्य लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप सभी की उपस्थिति ही इस कार्यक्रम की सफलता की गारंटी है। और मैं आपकी जानकारी में लाना चाहती हूं कि अल -खैर फाउंडेशन का लक्ष्य गरीब छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों की मदद करना, गरीबी को कम करना और लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम को सफल बनाने मैं प्रधानाचार्य जी और शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री बेयाज़ हाशमी और तनवीर साहिबा समारोह में विशिष्ट व्यक्ति के रूप में शामिल हुईं।

बिहार में सियासी उठापटक के बीच दिल्ली की अदालत से लालू परिवार को झटका, इस मामले में कोर्ट में पेश होने को कहा

एक ओर लालू यादव (Lalu Yadav) बिहार में हो रही सियासी उठापटक से परेशान हैं तो दूसरी ओर लालू यादव के परिवार की लैंड फॉर जॉब मामले में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार फिर पलटी मार सकते हैं। ED ने शनिवार को दिल्ली की अदालत में लैंड फोर जॉब केस से जुड़े मनी लॉनड्रिंग मामले मामले में चार हजार पन्नों की चार्जशीट पेश की है।

नई दिल्ली। एक ओर लालू यादव (Lalu Yadav) बिहार में हो रही सियासी उठापटक से परेशान हैं तो दूसरी ओर लालू यादव के परिवार की लैंड फॉर जॉब मामले में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बता दें कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पलटी मारने सियासी हलचल मची हुई है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने शनिवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में लैंड फोर जॉब केस से जुड़े मनी लॉनड्रिंग मामले (Money Laundering) मामले में चार हजार पन्नों की चार्जशीट (आरोपपत्र) पेश की है। इसके बाद कोर्ट ने लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती, हेमा यादव को समन जारी किया है। उन्हें कोर्ट में 9 फरवरी को पेश होने के लिए कहा गया है।

लालू यादव की राष्ट्रीय जनता दल (RJD, राजद) और नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जदयू, JDU) की बिहार में गठबंधन की सरकार है। अब अटकलें ऐसी चल रही हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं और राजद से नाता तोड़ एनडीए के साथ सरकार बना सकते हैं। अब जदयू के नेता राजद के नेताओं पर भी बयान देने लगे हैं।

पटना में राजद की हुई बैठक

बिहार में सियासी उथल-पुथल के बीच आज शनिवार को राजद की बैठक संपन्न हुई। ढाई घंटे लंबी चली मीटिंग के बाद राजद सांसद मनोज झा ने एएनआई समेत तमाम मीडिया चैनलों को बैठक के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बैठक बहुत सकारात्मक हुई अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा हुई। हमारे पूरे विधानमंडल दल की बैठक थी। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव, डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से लेकर प्रदेश अध्यक्ष और महासचिव मौजूद थे। बैठक में हर मुद्दे पर चर्चा हुई, चाहे वो समकालीन राजनीति में जो चल रहा है, राष्ट्रीय मुद्दे हों या राज्य के मुद्दे हो उसके बाद हर मुद्दे पर गंभीरतापूर्वक विश्लेषण के बाद सब लोगों ने हाथ उठाकर किसी भी प्रकार के निर्णय के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव को अधिकृत किया है।

जनवरी ने बनाया दिल्ली में ठंड और सूखे का रिकॉर्ड, 16 साल में दूसरा मौका जब एक भी दिन नहीं हुई बारिश

इस साल तो बर्फबारी होने का पूर्वानुमान भी जनवरी के अंतिम एवं फरवरी के पहले सप्ताह में है। इसलिए सर्दी भी इस साल लंबी खिंचने वाली है। बदलते मौसमी परिदृश्य में ही सोलह सालों में दूसरी बार जनवरी का महीना इतना सूखा है। इसके लिए मौसम वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ मजबूत पश्चिमी विक्षोभों के अभाव को बड़ी वजह बता रहे हैं।

नई दिल्ली। वर्ष 2024 की जनवरी पहले ही दिन से ठिठुरन भरी सर्दी का एहसास तो करा ही रही है, ठंड एवं सूखे के भी नए रिकॉर्ड बना रही है। एक से डेढ़ दशक के दौरान इस माह में शीत लहर एवं शीत दिवस सर्वाधिक रहे हैं तो दिसंबर के बाद जनवरी में भी वर्षा ने दिल्ली से पूरी तरह मुंह मोड़ रखा है। मौसम विज्ञानी इसके लिए जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ मजबूत पश्चिमी विक्षोभों के अभाव को बड़ी वजह बता रहे हैं। यूं तो हर साल दिसंबर और जनवरी में ही दिल्ली में कड़ाके की सर्दी पड़ती रही है, लेकिन पिछले दो वर्षों से यह मौसम चक्र बदल रहा है। दिसंबर में अब अंतिम दौर में ठंड पड़ने लगी है तो जनवरी में मकर संक्रांति तक नहीं, बल्कि उत्तरार्ध तक ठंड बनी रहती है।

गाली देने से किया मना तो सिर पर हुआ खून सवार, चाकू और गोलियों से किया वार

शास्त्री पार्क थाना आपसी विवाद और झगड़े में एक युवक ने दूसरे युवक पर चाकू और गोली से वार कर दिया। शास्त्री पार्क निवासी पीड़ित समीर अहमद उर्फ मोनू को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल ले जाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। फरार आरोपित बिलाल फिरोज सलीम और साउद भी शास्त्री नगर में रहते हैं।

नई दिल्ली। शास्त्री पार्क थाना आपसी विवाद और झगड़े में एक युवक ने दूसरे युवक पर चाकू और गोली से वार कर दिया। शास्त्री पार्क निवासी पीड़ित समीर अहमद उर्फ मोनू को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। फरार आरोपित बिलाल, फिरोज, सलीम और साउद भी शास्त्री नगर में रहते हैं। पुलिस हत्या के प्रयास व अन्य धाराओं में प्राथमिकी पंजीकृत करके आरोपितों की तलाश में जुट गई है।

गाली देने से किया था मना

पीड़ित ने बताया कि शुक्रवार शाम वह अपने एक जानकार की दुकान पर बैठा था। तभी वहां स्कूटी पर आरोपित बिलाल, फिरोज, सलीम और साउद वहां पहुंचे। आपसी विवाद के चलते बिलाल उनसे बहस करते हुए गालीगलौज करने लगा। उन्होंने गाली देने से मना किया तो आरोपित सलीम और साउद ने चाकू निकालकर उस पर वार कर दिया।

वह पीछे हटा तो दोनों ने उसके जांघों पर वार कर दिया। इसके बाद बिलाल ने पिस्टल निकालकर गोली चला दी। गोली पैर में लगने का कारण पीड़ित वहीं गिर गया। इलाके में भीड़ जमा होने लगी तो आरोपित मौके से फरार हो गए। मौके पर पहुंची ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है।

मंदिर तोड़कर बनी थी मस्जिद, हिंदुओं को सौंपी जाए ज्ञानवापी : विश्व हिंदू परिषद

विश्व हिंदू परिषद (VHP) के अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने कहा कि ज्ञानवापी संरचना से एएसआई द्वारा एकत्र किए गए सबूत इस बात की पुष्टि करते हैं कि भव्य मंदिर को ध्वस्त करने के बाद मस्जिद का निर्माण किया गया था। मंदिर की संरचना का एक हिस्सा विशेष रूप से पश्चिमी दीवार हिंदू मंदिर का शेष हिस्सा है।

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (VHP) के अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने कहा कि ज्ञानवापी संरचना से एएसआई द्वारा एकत्र किए गए सबूत इस बात की पुष्टि करते हैं कि भव्य मंदिर को ध्वस्त करने के बाद मस्जिद का निर्माण किया गया था। मंदिर की संरचना का एक हिस्सा, विशेष रूप से पश्चिमी दीवार हिंदू मंदिर का शेष हिस्सा है। उन्होंने कहा कि एएसआई की रिपोर्ट यह भी साबित करती है कि मंदिर के स्तंभों सहित पहले से मौजूद मंदिर के कुछ हिस्सों का पुनः उपयोग मस्जिद में किया गया था।

जिसे वजुखाना कहा जाता था, उसमें मौजूद शिवलिंग से इसमें कोई संदेह नहीं रह जाता है कि इस संरचना में मस्जिद का चरित्र नहीं है। उन्होंने कहा कि संरचना में पाए गए शिलालेखों में जनार्दन, रुद्र और उमेश्वर सहित नामों की खोज इसके मंदिर होने का स्पष्ट प्रमाण है।

आलोक कुमार ने यह भी कहा कि एकत्र किए गए साक्ष्य और एएसआई द्वारा प्रदान किए गए निष्कर्ष यह साबित करते हैं कि इस पूजास्थल का धार्मिक चरित्र 15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में था और वर्तमान में एक हिंदू मंदिर है। इस प्रकार, पूजा स्थल अधिनियम, 1991 की धारा 4 के अनुसार भी, संरचना को हिंदू मंदिर घोषित किया जाना चाहिए।

इसलिए विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) सुझाव देती है कि हिंदुओं को तथाकथित वजुखाना क्षेत्र में पाए जाने वाले शिवलिंग की सेवा पूजा करने की अनुमति दी जाए और इंतेजामिया समिति का आह्वान है कि वह ज्ञानवापी मस्जिद को सम्मानपूर्वक किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करें और काशी विश्वनाथ के मूल स्थल को हिंदू समाज को सौंप दें।

कार्याध्यक्ष ने कहा कि विहिप का मानना है कि यह नेक कार्य भारत के दो प्रमुख समुदायों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

दिल्ली सरकार ने फरवरी 2025 तक रखा है यमुना की सफाई का लक्ष्य

फिर चर्चा में जामिया: कुलपति पद से हुईं रिटायर, दो महीने बाद भी प्रो. नजमा ने नहीं छोड़ा सरकारी बंगला; जानिए क्या है विवाद

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) की पूर्व कुलपति प्रो. नजमा अख्तर के सेवानिवृत्त होने के बाद भी सरकारी निवास में रहने के मुद्दे पर विश्वविद्यालय प्रशासन से तनातनी की चर्चाएं हैं। पूर्व कुलपति ने जेएमआई प्रशासन को लिखकर पूछा था कि वे बंगले में कब तक रह सकती हैं लेकिन उनको कोई जवाब नहीं दिया गया है। उधर उनका बंगले में रहना प्रशासन को खटक रहा है।

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) की पूर्व कुलपति प्रो. नजमा अख्तर के सेवानिवृत्त होने के बाद भी सरकारी निवास में रहने के मुद्दे पर विश्वविद्यालय प्रशासन से तनातनी की चर्चाएं हैं। पूर्व कुलपति ने जेएमआई प्रशासन को लिखकर पूछा था कि वे बंगले में कब तक रह सकती हैं, लेकिन उनको कोई जवाब नहीं दिया गया है।

उधर, उनका बंगले में रहना प्रशासन को खटक रहा है, लेकिन आधिकारिक रूप से वे कुछ भी कहने को तैयार नहीं हैं।

15 नवंबर को खत्म हो गया था प्रो. नजमा का कार्यकाल

प्रो. अख्तर का कार्यकाल 15 नवंबर को समाप्त हो गया था। तब से ही वे कुलपति निवास में रह रही हैं। उन्होंने अपनी सेवानिवृत्ति की अवधि से पहले ही विश्वविद्यालय प्रशासन को पत्र लिखा था और पूछा था कि वे कब तक बंगले में रह सकती हैं। उन्होंने कुछ मियाद भी मांगी थी। लेकिन, अभी तक इस पर कोई जवाब नहीं आया है। उधर बंगले में बिजली का बिल और अन्य खर्च आ रहे हैं। उसको भी चुकाया जाना है। एक अधिकारी ने बताया कि नियमों के मुताबिक सेवानिवृत्ति की अवधि के तीन महीने तक पूर्व कुलपति आवास का इस्तेमाल कर सकते हैं। उस लिहाज से अभी तीन महीने होने में समय है और स्थायी कुलपति की नियुक्ति भी नहीं हुई है।

अभी रहने की हैं अधिकारी

ऐसे में वे आवास में रहने की अधिकारी हैं। एक अधिकारी ने कहा, नैतिक रूप से उन्हें आवास छोड़ देना चाहिए। उनके आवास पर रहने से खर्च बढ़ रहा है और उनको सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

हाल में 20 हजार के करीब बिजली का बिल भी आया है। अन्य खर्च भी हो रहे हैं। हर महीने उन पर मोटा खर्च हो रहा है।

प्रशासन के पास प्रो. नजमा के हैं नौ लाख रुपये बकाया

प्रो. नजमा अख्तर ने कहा, उनके नौ लाख रुपये विश्वविद्यालय पर बकाया हैं, जो भी खर्च है, विश्वविद्यालय उसमें काट सकता है। मैं तो नियमों के तहत ही निवास पर रह रही हूं और अगर विश्वविद्यालय मुझे खाली करने को लिखकर देता है तो मैं एक दिन में ही निवास खाली कर दूंगी।

किसी भी तरह की सरकारी सुविधा का इस्तेमाल मेरे द्वारा नहीं किया जा रहा है। मैंने दो महीने पहले ही लिख दिया था, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। जेएमआई के उच्च अधिकारियों ने कुछ भी बोलने से इनकार किया है।

प्रो. अख्तर का कार्यकाल 15 नवंबर को समाप्त हो गया था। तब से ही वे कुलपति निवास में रह रही हैं। उन्होंने अपनी सेवानिवृत्ति की अवधि से पहले ही विश्वविद्यालय प्रशासन को पत्र लिखा था और पूछा था कि वे कब तक बंगले में रह सकती हैं। उन्होंने कुछ मियाद भी मांगी थी। लेकिन, अभी तक इस पर कोई जवाब नहीं आया है। उधर बंगले में बिजली का बिल और अन्य खर्च आ रहे हैं। उसको भी चुकाया जाना है। एक अधिकारी ने बताया कि नियमों के मुताबिक सेवानिवृत्ति की अवधि के तीन महीने तक पूर्व कुलपति आवास का इस्तेमाल कर सकते हैं। उस लिहाज से अभी तीन महीने होने में समय है और स्थायी कुलपति की नियुक्ति भी नहीं हुई है।

'वो तो इतने ज्ञानी पुरूष हैं कि स्टोव में...', हरियाणा के मंत्री अनलि वजि ने राहुल गांधी को लेकर क्या कहा?

हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि 'रामलहर उसी को महसूस होती है जो राम जी को मानता है जो मानता ही नहीं है उसे क्या पता कौन सी लहर आ रही है और कौन सी जा रही है'। विज ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'वो तो इतने ज्ञानी पुरूष हैं कि स्टोव में कोयले डालकर जलाते हैं।

गुरुग्राम। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि 'रामलहर उसी को महसूस होती है जो राम जी को मानता है। जो राम जी को मानता ही नहीं है उसे क्या पता कि कौन सी लहर आ रही है और कौन सी जा रही है'।

विज ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'वो (राहुल गांधी) तो इतने ज्ञानी पुरूष है कि स्टोव में कोयले डालकर जलाते हैं। उनका ज्ञान तो सारे विष्व में जा रहा है कि स्टोव में कोयले डालकर जलाया जाएगा'।

यमुनागर में मनाया गणतंत्र दिवस

विज आज यमुनानगर में 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के उपरांत मीडिया कर्मियों द्वारा 'राहुल गांधी देषभर में घूम रहे हैं और कह रहे है कि राम लहर नहीं हैं', के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

आयोध्या जी में बनाए गए राममंदिर के संबंध में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि '500 साल पहले बाबर ने हमें अपमानित करने के लिए हमारे मंदिर को ध्वस्त किया था और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों और सुप्रीम कोर्ट के आदेष से उस अपमान का हमने उसी स्थान पर मंदिर बनाकर उसका बदला ले लिया हैं, इसलिए सारे देष में बहुत ही खुषी हैं'।

'भूपेंद्र हुड्डा और एसआरके ग्रुप अलग-अलग चल रहे'

भूपेंद्र सिंह हुड्डा और एसआरके (शैलजा-रणदीप-किरण) ग्रुप अलग-अलग यात्राएं निकाल रहे हैं, के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि 'हुड्डा साहब अपनी घोषणाएं कर देते हैं और ये हमारी किसी मिटिंग में तय ही नहीं हुआ। ये दोनों ग्रुप अलग-अलग चल रहे हैं और मुझे नहीं लगता कि यह इकट्ठे हो सकते हैं'।

हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग की उपलब्धियों तथा सेवाओं के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हम स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं तथा ढांचागत को बेहतर करना चाहते हैं, जिसके तहत जितने भी टूटे-फूटे अस्पताल भवन हैं, उन्हें नया बनाना चाहते हैं।

इसी कड़ी में राज्यभर में 162 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को दोबारा निर्मित करने के लिए विभाग द्वारा राषि जमा करवा दी गई हैं। इसके अलावा, यमुनानगर, कुरूक्षेत्र और अंबाला में भी अस्पताल बनाया है इत्यादि जगह भी अस्पताल बन रहे है।

उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पतालों में लोगों को उच्च स्तरीय सेवाएं उपलब्ध हो सके और हम हर अस्पताल में सीटी स्कैन, एमआरआई, अल्टासाउंड लगाना चाह रहे हैं। सभी जिलों में डायलसिस की सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इसके अलावा, चार कैथलैब लगाए गए हैं तथा अन्य जगहों पर भी कैथलैब लगाने के लिए टेंडर दिए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देष- कर्मियों की भर्ती करवाई जाए

डाक्टरों की कमी के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हाल ही में हमने 900 डाक्टर भर्ती किए थे। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा विभाग के अधिकारियों को निर्देषित किया गया है कि जहां-जहां भी डाक्टर व अन्य श्रेणी के कर्मियों की कमी है उनकी भर्ती करवाई जाए।

ट्रामा सेंटर के लिए योजना बनाई जा रही है

हरियाणा में ट्रामा सेंटर बनाने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हरियाणा में ट्रामा सेंटर को बनाने के बारे में भी सोचा जा रहा है लेकिन हम ट्रामा सेंटर वहीं पर बनाना चाहते हैं जहां पर अस्पताल हो ताकि डाक्टर वहां पर सभी तरह के कार्य कर सकें और इसके लिए योजना बनाई जा रही है।

आज हमने 75वां गणतंत्र दिवस मनाया है

उन्होंने कहा कि आज हमने 75वां गणतंत्र दिवस मनाया है। आजाद होने के बाद हमने अपने देष में प्रजातांत्रिक व्यवस्था का चयन किया था। संविधान सभा ने संविधान बनाया और आज के दिन अंगीकार किया गया। हमारी प्रजातांत्रिक व्यवस्था बहुत ही मजबूत है। विष्व में भारत के लोकतंत्र के बारे में बताया जाता हैं।

भरी कचहरी में लड़के को उठा ले गए... गिरफ्तार होने पर बताई वजह, पूरे नहीं हुए युवती के अरमान

गाजियाबाद तहसील से बृहस्पतिवार को राजस्थान के सीकर निवासी युवक को चार-पांच युवकों ने कार में डालकर अगवा कर लिया। युवक जिस युवती के साथ कोर्ट मैरिज करने तहसील आया था उसने मामले की सूचना पुलिस को दे दी। पुलिस ने युवकों की कार का पीछा राजस्थान तक किया। देर रात झुंझनू से पांच आरोपित गिरफ्तार कर युवक को सकुशल बरामद कर लिया गया।

गाजियाबाद। गाजियाबाद तहसील से बृहस्पतिवार को राजस्थान के सीकर निवासी युवक को चार-पांच युवकों ने कार में डालकर अगवा कर लिया। युवक जिस युवती के साथ कोर्ट मैरिज करने तहसील आया था उसने मामले की सूचना पुलिस को दे दी। पुलिस ने युवकों की कार का पीछा राजस्थान तक किया। देर रात झुंझनू से पांच आरोपित गिरफ्तार कर युवक को सकुशल बरामद कर लिया गया। राजस्थान के सीकर से बुधवार को प्रेमी युगल भागकर गाजियाबाद आ गया था। बृहस्पतिवार को दोनों कोर्ट मैरिज के लिए तहसील आए हुए थे।

लड़की के परिवार को जानकारी मिली तो...

लड़की के परिवार को इसकी जानकारी मिली तो वह भी तलाशते हुए तहसील पहुंच गए और युवक को कार में अगवा कर ले गए। युवती ने मामले की सूचना पुलिस को दे दी।

पुलिस ने सूचना मिलने के बाद मोबाइल नंबर और कार नंबर के आधार पर युवकों की कार का पीछा करना शुरू कर दिया। राजस्थान के झुंझुनू जनपद के बग्गड़ थानाक्षेत्र में पुलिस ने स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपितों की कार को रोक पकड़ लिया।

प्रेमी की हत्या करना चाहता था प्रेमिका का भाई

पुलिस का कहना है कि आरोपितों में लड़की का भाई शुभम, राजेंद्र, आकाश, दलीप और विजय शामिल हैं। सभी आरोपित राजस्थान के सीकर जनपद के रहने वाले हैं। पीड़ित युवक महेंद्र को सकुशल बरामद कर आरोपितों की कार भी बरामद की गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपित युवक की हत्या करने के उद्देश्य से अगवा कर ले गए थे। पकड़े गए आरोपित शुभम ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि महेंद्र उनके ही इलाके में रहता है।

दिव्या मर्डर: अब खुलेगा दिव्या के हत्याकांड का राज! शव को ठिकाने लगाने वाला रवि गिरफ्तार

अपराध शाखा सेक्टर-17 की टीम ने आरोपित को जयपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपित रवि हिसार के माडल टाउन का रहने वाला है। दिव्या की हत्या के बाद 24 दिन बाद आरोपित रवि को पुलिस ने पकड़ा है। उस 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। आरोपित बलराज और रवि बीएमडब्ल्यू कार से शव को लेकर फरार हुए थे।

गुरुग्राम। कुख्यात गैंगस्टर संदीप गाडोली की गर्लफ्रेंड दिव्या पाहुजा की हत्या के मामले में आरोपित रवि को पुलिस ने 24 दिन बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित को पकड़ने के लिए पुलिस ने आरोपित पर 50 हजार रुपये का इनाम रखा हुआ था।

जयपुर से आरोपित गिरफ्तार

अपराध शाखा सेक्टर-17 की टीम ने आरोपित को जयपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपित रवि हिसार के माडल टाउन का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश कर तीन दिन की रिमांड पर लिया है। आरोपित रवि को पुलिस ने हिसार से गिरफ्तार किया है।

इस मामले में पुलिस मुख्य आरोपित अभिजीत सिंह, हेमराज, ओम प्रकाश, मेधा, प्रवेश और बलराज सिंह गिल को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। दो जनवरी की देर रात को बस स्टैंड के पास एक होटल में दिव्य की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद आरोपित उसकी लाश को गाड़ी डालकर फरार हो गए थे।

11 दिन बाद मिला था दिव्या का शव

दिव्या की हत्या करने के बाद उसने शव को आरोपित बलराज और रवि बीएमडब्ल्यू कार से लेकर फरार हो गए थे। आरोपित बलराज से पूछताछ में पता चला कि दिव्या का शव पटियाला के पास भाखड़ा नहर में फेंक दिया था। इसके बाद वह गाड़ी को पटियाला बस स्टैंड के पास खड़ी कर फरार हो गए थे।

11 जनवरी से लापता किसान का अभी तक नहीं चला पता, ग्रामीणों घेरा थाना

सदरपुर से 11 जनवरी को लापता हुए किसान उमेश कई दिन बाद भी बरामद न होने से गुस्साए ग्रामीणों ने शनिवार को मधुबन बापूधाम थाने का घेराव कर दिया। नाराज ग्रामीणों ने तीन घंटे तक थाने पर हंगामा किया। किसानों का आरोप है कि पुलिस ने आरोपित पकड़ लिया है। पूछताछ में आरोपित ने उमेश की हत्या कर शव गंगनहर में फेंकना बताया है।

गाजियाबाद। सदरपुर से 11 जनवरी को लापता हुए किसान उमेश कई दिन बाद भी बरामद न होने से गुस्साए ग्रामीणों ने शनिवार को मधुबन बापूधाम थाने का घेराव कर दिया। नाराज ग्रामीणों ने तीन घंटे तक थाने पर हंगामा किया।

किसानों का आरोप है कि पुलिस ने आरोपित पकड़ लिया है। पूछताछ में आरोपित ने उमेश की हत्या कर शव गंगनहर में फेंकना बताया है। इसके बाद भी पुलिस ने शव की तलाश शुरू नहीं की है।

शनिवार को मधुबन बापूधाम थाने पहुंचे ग्रामीणों के साथ लापता किसान उमेश के पुत्र अंकुर ने बताया कि 11 जनवरी को उनके पिता गोविंदपुरम में प्रॉपर्टी डीलर नीरज कौशिक से उधार दी गई रकम वापस लेने गए थे। उसके बाद से उनका कुछ पता नहीं चला है।

मधुबन बापूधाम थाने में 15 जनवरी को उनकी शिकायत पर प्रापर्टी डीलर नीरज कौशिक पर केस दर्ज किया गया। अंकुर ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने नीरज कौशिक को मुकदमा दर्ज करने के एक दिन बाद ही छोड़ दिया था। उसके बाद से पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने पहले दिन से ही इस मामले में लापरवाही बरती है।

थाना प्रभारी पर ग्रामीणों ने लगाया आरोप

थाना परिसर में एकत्र ग्रामीणों ने थाना प्रभारी अंकित तरार पर डीसीपी सिटी के सामने ही आरोप लगाते हुए कहा कि पूरे मामले में उन्होंने सबसे ज्यादा लापरवाही बरती है। ग्रामीणों के कई बार कहने के बाद भी थाना प्रभारी ने ठीक से कार्रवाई नहीं की और न ही पूछताछ की।

इस वजह से कई दिन बीतने के बाद भी उमेश का कुछ पता नहीं चल पाया है। आरोपित की पत्नी और भाभी को भी छोड़ने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है।

आरोपित से पूछताछ की जा रही है। शीघ्र किसान का पता लगाया जाएगा। **-ज्ञानंजय सिंह, डीसीपी सिटी**

नशे में धुत्त कार चालक ने तीन लोगों पर चढ़ाई कार, एक की मौके पर मौत; आरोपी की पहचान उजागर हुई तो पुलिस में मचा हड़कंप

ग्रेटर नोएडा से आज एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक दारोगा के बेटे ने अपनी कार से तीन लोगों को रौंद दिया। जानकारी के अनुसार ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर में मूंगफली खरीद रहे 3 लोगों को ब्रेजा कार सवार ने रौंद दिया। इस हादसे में एक शख्स की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो लोग बुरी तरह से घायल हैं।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा से आज एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक दारोगा के बेटे ने अपनी कार से तीन लोगों को रौंद दिया।

जानकारी के अनुसार ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर में मूंगफली खरीद रहे 3 लोगों को ब्रेजा कार सवार ने रौंद दिया। इस हादसे में एक शख्स की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग बुरी तरह से घायल हैं।

शराब के नशे में था आरोपी

यह घटना सूरजपुर थाना क्षेत्र की है। मौके पर मौजूद लोगों की भीड़ ने आरोपित चालक को पकड़ कर धुनाई कर दी।

बताया जा रहा है कि आरोपी की पहचान दारोगा के बेटे के रूप में हुई है। घटना के समय वह शराब के नशे में मिला। लोगों ने पिटाई के बाद आरोपित को पुलिस को सौंपा दिया।

ज्ञान गंगा: व्यर्थ के चिंतनों में फँसकर हम अपनी ऊर्जा को, अपने लक्ष्य में ढंग से नहीं लगा पाते

वहीं गोस्वामी जी भी अपनी सीमित बुद्धि का प्रचार करते हुए कहते हैं, कि मेरी बुद्धि तो एक साधारण लकड़ी की भाँति है। जिसे कोई भी न पूछे। लेकिन अगर वही साधारण लकड़ी मलय पर्वत का संग कर ले, तो वह चंदन ही हो जाती है।

गोस्वामी तुलसीदास जी एक चौपाई कहते हैं-

'जदपि कबित रस एकउ नाहीं।
राम प्रताप प्रगट एहि माहीं।।
सोइ भरोस मोरें मन आवा।
केहिं न सुसंग बड़प्पनु पावा।।'

वे कहते हैं, यद्यपि मेरी रचना में कविता का एक भी रस नहीं है, तथापि इसमें श्रीराम जी का प्रताप प्रकट है। मेरे मन में बस यही एक भरोसा है। भले संग से भला, किसने बड़प्पन नहीं पाया?

निश्चित ही गोस्वामी जी श्रीरामचरित मानस के रूप में एक ऐसा महान गंथ, संसार को देने जा रहे थे, जिसकी चर्चा युगों-युगों तक होनी थी। लेकिन सोचकर देखिए, जब किसी रचना से पहले ही, उस रचना के ऐसे उच्च स्तर के भविष्य का ज्ञान हो, तो क्या ऐसा संभव नहीं है, कि रचनाकार को उसकी रचना का, अहंकार ही न हो? अहंकार आना स्वाभाविक-सा लगता है। लेकिन गोस्वामी जी की वाणी में कितनी ईमानदारी झलक रही है, कि वे पहले ही स्वीकार कर रहे हैं, कि मेरी कविता में एक भी रस वाली कोई बात नहीं है। मुझ मूढ़ को भला आता ही क्या है? लेकिन तब भी अगर मैं ऐसा महान कार्य कर पा रहा हूँ, तो इसके पीछे एक ही कारण है। वह यह है, कि मेरी कविता में राम जी का प्रताप प्रगट है। मेरे मन में यही एक भरोसा है। क्योंकि श्रीराम जी के संग से अच्छा, संसार में भला और क्या होगा? और अगर संग ही किसी अच्छे का है, तो आपका अच्छा तो स्वतः ही हो जायेगा।

अपनी बात को सिद्ध करने के लिए उन्होंने कुछ सुंदर उदाहरण भी दिए। जैसे-

'धूमउ तजइ सहज करुआई।
अगरु प्रसंग सुगंध बसाई।।
भनिति भदेस बस्तु भलि बरनी।
राम कथा जग मंगल करनी।।'

अर्थात अगर धुँआं भी, 'अगर' अर्थात धूप बत्ती का संग कर ले, तो उसमें कड़वाहट वाली गंध न आकर, सुगंध आने लगती है। मेरी कविता अवश्य ही भद्दी है, लेकिन इसमें जगत का कल्याण करने वाली श्रीराम कथा रुपी उत्तम वस्तु का वर्णन है। जिस कारण यह सहज ही श्रेष्ठ हो गई है।

सज्जनों! कहने का तात्पर्य यह है, कि हम संसार में कितनी ही बार, किसी साधारण से कार्य को करने में भी हतोत्साहित हो जाते हैं। हम कितनी ही गुणा भाग में लग जाते हैं, कि हमारा कार्य सफल हो भी पायेगा अथवा नहीं। हम अगर असफल हो गये तो, हम तो बर्बाद ही हो जायेंगे। फिर हमारा क्या होगा? कौन हमारी बाँह पकड़ेगा?

इन्हीं व्यर्थ के चिंतनों में फँसकर हम अपनी ऊर्जा को, अपने लक्ष्य में ढंग से नहीं लगा पाते। जिसका परिणाम यह होता है, कि हम अपने जीवन में आगे ही नहीं बढ़ पाते। ऐसी विकट परिस्थितियों से आज प्रत्येक जन मानस झुलस रहा है। विशेष कर आज की युवा पीढ़ी। जो अपने नकारात्मक मानसिक पीड़ा से अतिअंत त्रस्त है। उनमें अवसाद एवं अन्य मानसिक परेशानियां उन्हें जीने नहीं देती हैं। वे इस समस्या से निजात पाने के लिए अनेकों मनोविज्ञानिक चिकित्सकों के पास जाते हैं। 'मोटिवेशनल स्पीकर' के माध्यम से वे अपने रोग से छुटकारा पाना चाहते हैं। लेकिन इतना होने पर भी कोई समाधान नहीं निकलता। समाधान होता, तो प्रत्येक वर्ष इतने विद्यार्थी आत्म हत्या न करते।

वहीं गोस्वामी जी भी अपनी सीमित बुद्धि का प्रचार करते हुए कहते हैं, कि मेरी बुद्धि तो एक साधारण लकड़ी की भाँति है। जिसे कोई भी न पूछे। लेकिन अगर वही साधारण लकड़ी मलय पर्वत का संग कर ले, तो वह चंदन ही हो जाती है। तो क्या ऐसे में कोई उस लकड़ी को सामान्य भाव से देखता है?

विचारणीय है, कि इतना होने पर भी, गोस्वामी जी का साहस इतना बुलंद क्यों है? कारण मात्र यह है, कि वे श्रीराम जी को पूर्णतः समर्पित हैं, व श्रीराम जी के पावन सान्धिय को प्रतिक्षण महसूस करने वालों में शिरोमणि हैं। उनके मन में कील की भाँति ठुंका हुआ है, कि मैं कैसा भी हुँ, मुझमें भले कितने भी अवगुण क्यों न हों? लेकिन मेरे श्रीराम जी तो मेरे साथ में हैं न? जैसे लोहे की कील में यह अवगुण है, कि वह पानी में फेंकने पर डूब जाती है। वह तैर नहीं पाती। लेकिन वही कील को जब नौका में लगा दिया जाता है, तो नौका के साथ, वह कील भी तैर जाती है।

काला रंग किसी को पसंद नहीं है? हर कोई गौरी चमड़ी वालों को पसंद करता है। लेकिन श्यामा गौ का रंग भी तो काला ही होता है। क्या उसे आप नकार देते हैं? नहीं! उसके दूध को गुणकारी, उजला व उत्तम होने के कारण, सभी उसे पीते हैं। ठीक ऐसे ही अगर संसार के प्रत्येक जन स्वयं को श्रीराम जी के पावन श्रीचरणों में अर्पित करदे, तो उसे अवसाद घेर ही नहीं सकता। वह प्रतिक्षण साहस की चरम सीमा को छूता दृष्टिपात होगा। कारण कि श्रीराम जी की कथा व उनकी दिव्य लीलाओं का श्रवण करना, अपने आपस में एक ऊर्जा का स्रोत है। तभी तो गोस्वामी जी के हौंसले हिमालय की तरह अडिग हैं। उन्हें रत्ती भर भी संशय नहीं, कि मैं अपने मनोरथ मे सफल हो भी पाऊँगा अथवा नहीं।

बस यही मानसिकता की आवश्यकता आज संसार के प्रत्येक व्यक्ति को है। (क्रमशः)---जय श्रीराम।

- सुखी भारती

2024 Tata Altroz Racer को लॉन्च से पहले किया गया स्पॉट, बड़े टचस्क्रीन सहित इन खूबियों के साथ कर सकती है एंट्री

2024 Tata Altroz Racer हालिया परिक्षण से संकेत मिलता है कि आगामी गाड़ी में बाहरी तौर पर बदलाव देखने को नहीं मिल सकते हैं। यहां तक की पहियों को भी बरकरार रखा जा सकता है। इसके अलावा काली धारियों वाला बोनट और कई अन्य चीजें भी समान रहने की संभावना है। आइए इस आगामी गाड़ी के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने हाल ही में इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। कंपनी ने दो बैटरी पैक के साथ टाटा पंच ईवी को लॉन्च किया है। अब कंपनी एक और आगामी गाड़ी को लेकर चर्चा में है। दरअसल हाल ही में लॉन्चिंग से पहले 2024 Tata Altroz Racer को कुछ फीचर्स के साथ स्पॉट किया गया है। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

परिवर्तन के साथ आएगी गाड़ी

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन दिनों टाटा 1.2L पेट्रोल इंजन को विकसित कर रही है और साथ ही एक नए 1.5L पेट्रोल इंजन इंजन पर भी तेजी से काम कर रही है। नया इंजन अधिक पावर और टॉर्क पैदा करने में सक्षम होगा। टाटा अल्ट्रोज रेसर को अब अल्ट्रोज आई-टर्बो की तुलना में अधिक शक्तिशाली ट्यून के साथ उत्सर्जन परीक्षण के साथ स्पॉट किया गया है।

आगामी गाड़ी को नई तकनीक और कई परिवर्तनों के साथ पेश किया जाएगा। वर्तमान समय वाहन निर्माता के पास नैचुरली एस्पिरेटेड और टर्बोचार्ज्ड कॉन्फिगरेशन वाला 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन और 2.0 लीटर स्टेलेंटिस सोर्स्ड टर्बो डीजल इंजन मौजूद है।

क्या होगा बदलाव

हालिया परिक्षण से संकेत मिलता है कि आगामी गाड़ी में बाहरी तौर पर बदलाव देखने को नहीं मिल सकते हैं। यहां तक की पहियों को भी बरकरार रखा जा सकता है। इसके अलावा काली धारियों वाला बोनट और कई अन्य चीजें भी समान रहने की संभावना है।

गौरतलब है कि टाटा अल्ट्रोज रेसर को ऑटो एक्पो 2023 के दौरान पेश किया गया था। इन दिनों खबर है कि इसमें वर्तमान में Altroz i-Turbo में प्रदान किए जाने वाले इंजन को इस गाड़ी में भी दिया जा सकता है। यह इंजन 125 बीएचपी की शक्ति और 225 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करने का सामर्थ्य रखता है।

हीरो ने किया कार्बन फाइबर से बनी बाइक का अनावरण, निर्मित की जाएंगी केवल 100 यूनिट

Hero World 2024 वाहन निर्माता के द्वारा इस बाइक का अनावरण हीरो ग्रुप के संस्थापक डॉ. बृजमोहन लाल मुंजाल को उनकी 100वीं जयंती पर श्रद्धांजलि के रूप में डिजाइन किया गया है। CE001 में CE का मतलब स्मारक संस्करण है। बता दें हीरो ने इसे भारत में निर्मित सबसे खास बाइक बताया है। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन निर्माता हीरो मोटरकॉर्प ने हाल ही में Mavrick और Xtreme 125R को पेश किया है। वहीं, अब कंपनी ने ग्राहकों को एक और सरप्राइस दिया है। दरअसल हीरो वर्ल्ड 2024 के दौरान दिग्गज ने नई CE001 सीमित संस्करण मोटरसाइकिल का अनावरण किया है।

हाल ही में पेश की गई बाइक CE001 नए हीरो करिज्मा XMR 210 पर आधारित है और इसकी बिक्री केवल 100 इकाइयों तक ही सीमित होगी।

कार्बन फाइबर से हुई है तैयार

वाहन निर्माता के द्वारा इस बाइक का अनावरण हीरो ग्रुप के संस्थापक डॉ. बृजमोहन लाल मुंजाल को उनकी 100वीं जयंती पर श्रद्धांजलि के रूप में डिजाइन किया गया है। CE001 में CE का मतलब स्मारक संस्करण है। बता दें हीरो ने इसे भारत में निर्मित सबसे खास बाइक बताया है।

मोटरसाइकिल में बॉडीवर्क के लिए कार्बन फाइबर का भी उपयोग किया गया है, जो इसे स्टॉक मॉडल की तुलना में काफी हल्का बनाता है। नई करिज्मा एक्सएमआर 210 को मोटरसाइकिल के आधार के रूप में चुना गया था क्योंकि मूल करिज्मा उस समय बनाया गया एक प्रोजेक्ट था।

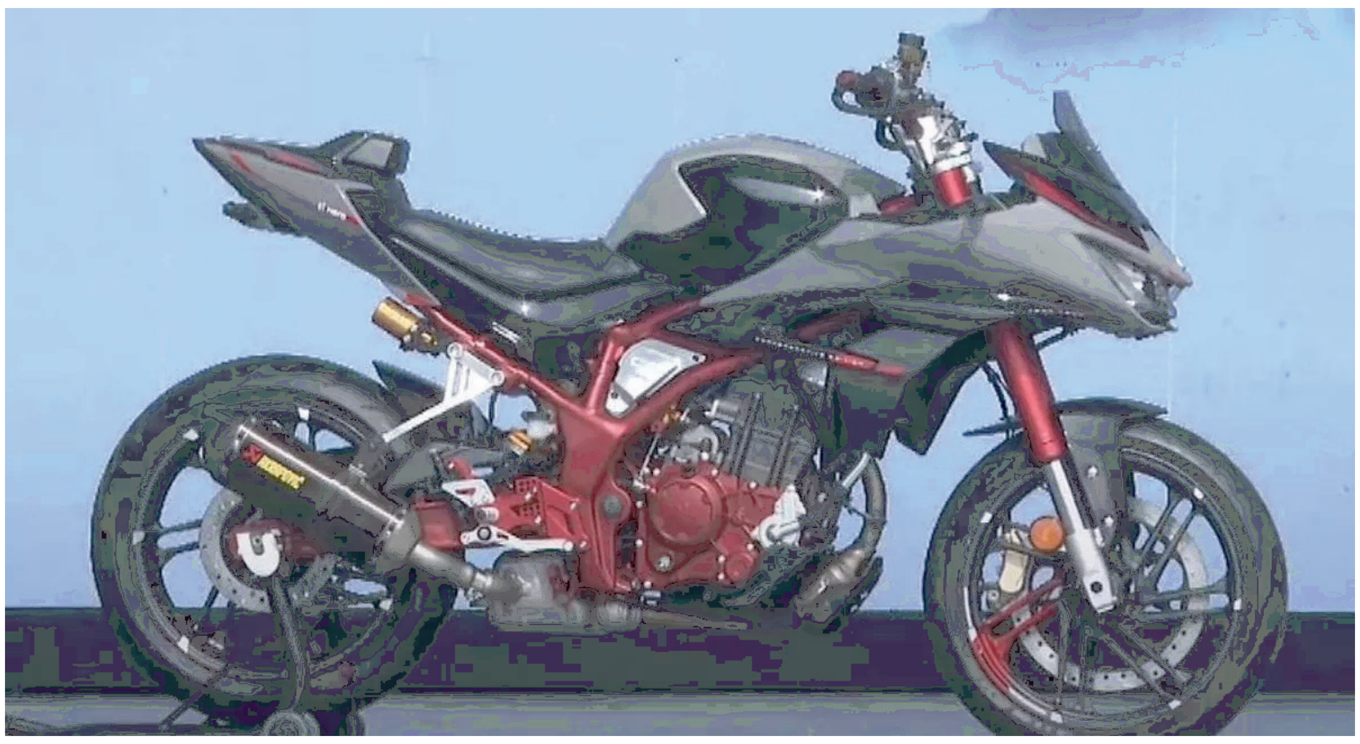

100 युनिट बिक्री तक सीमित

इस बाइक की केवल 100 यूनिट ही तैयार की जाएंगी। बता दें हीरो करिज्मा एक्सएमआर को मूल मोटरसाइकिल से प्रेरित होकर मूल रूप से हाफ-फेयरिंग संस्करण के रूप में डिजाइन किया गया था। लेकिन इसके उत्पादन संस्करण को पूर्ण फेयरिंग प्राप्त हुई है। कंपनी के द्वारा इंजन के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन CE001 को स्टैंडर्ड मॉडल के मुकाबले पावर बूस्ट मिलने की संभावना है।

जुलाई तक होगी डिलीवरी

फिलहाल, इसकी कीमतों के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन कंपनी ने कहा है कि जुलाई महीने तक 100 यूनिट्स की डिलीवरी कर दी जाएगी। इसके लिए आगामी हफ्तों में बुकिंग शुरू होगी।

कॉम्पैक्ट SUV खरीदने से पहले जानिए इसके फायदे और नुकसान, नहीं होगा कन्फ्यूजन

Compact SUV खरीदने के पीछे ग्राहकों का टशन होता है। क्योंकि इस तरह की गाड़ी देखने में आकर्षक लगती है। इनमें पूरी एसयूवी की तुलना में कुछ चीजें कम ऑफर की जाती है। लेकिन जब बात कम्फर्ट की आती है तो ये ग्राहकों के लिए बेस्ट साबित होती हैं। हम यहां कॉम्पैक्ट एसयूवी खरीदने के कुछ बेनिफिट्स बताने वाले हैं।

नई दिल्ली। भारतीय वाहन मार्केट में समय के साथ कॉम्पैक्ट साइज में आने वाली गाड़ियों की डिमांड बढ़ी है। पिछले कुछ वर्षों के भीतर ही ये सेगमेंट ग्राहकों के दिलों में स्थान बनाने में सफल हुआ है। ऐसे में बहुत से लोग होते हैं जो कन्फ्यूजन में रहते हैं कि उन्हें कॉम्पैक्ट कार खरीदनी चाहिए या नहीं।

आज के इस लेख में हम आपको इसी तरह की गाड़ियों के बैनिफिट्स बताने वाले हैं और इसके कुछ नुकसान भी बताएंगे।

क्यों खरीदनी चाहिए कॉम्पैक्ट एसयूवी

कॉम्पैक्ट एसयूवी खरीदने के पीछे ग्राहकों का टशन होता है। क्योंकि इस तरह की गाड़ी देखने में आकर्षक लगती है। इनमें पूरी एसयूवी की तुलना में कुछ चीजें कम ऑफर की जाती है। लेकिन जब बात कम्फर्ट की आती है तो ये ग्राहकों के लिए बेस्ट साबित होती हैं।

इनमें एसयूवी की तुलना में सीटिंग कैपिसिटी कम मिलती है और इनका साइज भी इसकी तुलना में छोटा होता है। इन्हें किसी भी जगह ड्राइविंग करने के लिहाज से तैयार किया जाता है। यानी एसयूवी के छोटी गलियों या रास्तों में फंसने की दिक्कत होती है। लेकिन कॉम्पैक्ट एसयूवी के साथ ऐसा नहीं होता है।

पावर के मामले में कौन बेस्ट

अब बात पावर की करी जाए, तो इन गाड़ियों को भी मुख्यतौर पर ऑफरोडिंग या ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर ड्राइव करने के लिए बनाया जाता है। लेकिन जो फुल एसयूवी होती हैं उनमें कॉम्पैक्ट एसयूवी की तुलना में ज्यादा पावरफुल इंजन मिलता है। लेकिन यहां ध्यान देने वाली बात है कि कॉम्पैक्ट एसयूवी भी बहुत से मामलों में फुल साइज एसयूवी को टक्कर देती हैं।

कॉम्पैक्ट एसयूवी के उदाहरण

टाटा नेक्सन, मारुति सुजुकी ब्रेजा, किआ सेल्टॉस और हुंडई क्रेटा जैसी गाड़ियां कॉम्पैक्ट एसयूवी के सही उदाहरण हैं। वहीं फुल साइज एसयूवी में टोयोटा फॉर्च्यूनर, फॉर्ड एंडेवर जैसी गाड़ियों को शामिल किया जा सकता है।

बजाज पल्सर NS400 को जल्द मिलेगा एक नया वेरिएंट, जानिए कब होगी एंट्री

प्रबंधन ने सीएनजी मोटरसाइकिल विकसित होने की खबर की पुष्टि की है जिसे अगले वित्तीय वर्ष में लॉन्च किए जाने की संभावना है। बजाज ऑटो के कार्यकारी निदेशक राकेश शर्मा ने कहा है कि मार्च तक हम हर महीने 15000 से अधिक युनिट बिक्री की योजना बना रहे हैं और वर्ष की पहली तिमाही में कई नए मॉडल जोड़ने की उम्मीद कर रहे हैं।

नई दिल्ली। भारत के दोपहिया मार्केट में बजाज की अहम भूमिका है। कंपनी ने हर सेगमेंट में टूव्हीलर वाहन लॉन्च किए हैं। वर्तमान समय में भी वाहन निर्माता बाजार में मजबूत बिक्री और हिस्सेदारी को बढ़ाने के मकसद से अपने नेटवर्क का विस्तार कर रही है और नई तकनीक लाने की योजना बना रही है। इन दिनों Bajaj Pulsar NS400 को लेकर खबरें चल रही हैं। आइए इसके बारे में

कब होगी एंट्री?

बजाज के प्रबंधन द्वारा कहा गया है कि बजाज पल्सर एनएस400 में मई तक हर महीने आपको दो या तीन अपडेट देखने को मिलेंगे। इस बाइक को अगले साल की पहली तिमाही में पेश करने की योजना बना रहे हैं। बजाज ऑटो की इस बाइक को नए वेरिएंट में 2024-2025 तक लॉन्च करने उम्मीद है।

बजाज पेश करेगी सीएनजी बाइक

प्रबंधन ने सीएनजी मोटरसाइकिल विकसित होने की खबर की पुष्टि की है जिसे अगले वित्तीय वर्ष में लॉन्च किए जाने की संभावना है। बजाज ऑटो के कार्यकारी निदेशक राकेश शर्मा ने कहा है कि मार्च तक हम हर महीने 15,000 से अधिक युनिट बिक्री की योजना बना रहे हैं और वर्ष की पहली तिमाही में कई नए मॉडल जोड़ने की उम्मीद कर रहे हैं।

इलेक्ट्रिक सेगमेंट में बढ़ी हिस्सेदारी

पिछले कुछ वर्षों में वाहन निर्माता ने इलेक्ट्रिक दोपहिया सेगमेंट में हिस्सेदारी को मजबूत किया है और इनकी हिस्सेदारी लगभग तीन गुना बढ़कर 14 प्रतिशत हो गई है, पिछले साल यह महज 5 प्रतिशत थी।

बता दें, बजाज ने दिसंबर में नया चेतक मॉडल पेश किया था। वर्तमान में कंपनी लगभग 10,000 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचती है, जबकि वित्तीय वर्ष की शुरुआत में यह 3000-4000 यूनिट थी।

ह्युंडई क्रेटा फेसलिफ्ट के लिए इतना है वेटिंग पीरियड, जानिए कितना करना होगा इंतजार

Hyundai Creta Facelift के डीजल वेरिएंट की ग्राहकों के बीच अच्छी डिमांड देखी जा रही है। अगर इसको वर्तमान में बुक किया जाता है तो आपको 4 से 5 महीने तक का इंतजार करना पड़ सकता है। वहीं पेट्रोल इंजन के साथ आने वाली फेसलिफ्ट के लिए वेटिंग पीरियड 3 से 4 महीने का है। आइए इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। हुंडई क्रेटा फेसलिफ्ट को इसी महीने कई बदलावों के साथ पेश किया गया था और अब इसकी खरीददारी को लेकर ग्राहक भी उत्साहित हैं। हम यहां बताने वाले हैं कि अगर इस गाड़ी को बुक किया जाता है तो आपको कितना इंतजार करना पड़ सकता है।

कितना है वेटिंग पीरियड

गाड़ी के लॉन्च को 10 दिन बीत चुके हैं, ऐसे में इसके वेटिंग पीरियड को लेकर जानकारी मिल चुकी है। हुंडई क्रेटा फेसलिफ्ट के डीजल वेरिएंट की ग्राहकों के बीच अच्छी डिमांड देखी जा रही है। अगर इसको वर्तमान में बुक किया जाता है तो आपको 4 से 5 महीने तक का इंतजार करना पड़ सकता है। वहीं, पेट्रोल इंजन के साथ आने वाली फेसलिफ्ट के लिए वेटिंग पीरियड 3 से 4 महीने का है।

Hyundai Creta facelift इंजन

इस गाड़ी में जो डीजल इंजन प्रदान किया जाता है। उसकी क्षमता 116 एचपी की शक्ति पैदा करने की है। इसमें 1.5 लीटर यूनिट के साथ 6 स्पीड मैनुअल और 6 स्पीड टॉर्क कन्वर्टर गियरबॉक्स मिलता है।

वेरिएंट्स की डिटेल

हुंडई क्रेटा फेसलिफ्ट को सात ट्रिम स्तरों में पेश किया जाता है। नई क्रेटा के खरीदार शीर्ष-स्पेक एसएक्स (ओ) ट्रिम को मैनुअल और स्वचालित दोनों को खरीद सकते हैं। इंजन और ट्रांसमिशन के आधार पर क्रेटा SX(O) की कीमत 17.24 लाख से 20 लाख रुपये के बीच है। इसमें 5 पावरट्रेन विकल्प भी मौजूद हैं।

मुकाबला

Hyundai Creta facelift का मुकाबला मार्केट में पहले से मौजूद स्कोडा कुशाक, फॉक्सवैगन टाइगुन, होंडा एलिवेट और एमजी एस्टर जैसी गाड़ियों के साथ होता है। इसके अलावा मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा और टोयोटा अर्बन क्रूजर हाईराइडर भी इसकी प्रतिस्पर्धी हैं।

भारत के हिन्दू मन्दिरों ने पर्यटन के पंख लगाये

ललित गर्ग

धर्म और अध्यात्म भारत की आत्मा है। यह धर्म ही है, जो भारत को उत्तर से दक्षिण तक और पूरब से पश्चिम तक एकात्मता के सूत्र में बांधता है। भारत की सभ्यता और संस्कृति का अध्ययन करते हैं तो हमें साफ दिखायी देता है कि धार्मिक पर्यटन हमारी परंपरा में रचा-बसा है।

धर्म और अध्यात्म भारत की आत्मा है। यह धर्म ही है, जो भारत को उत्तर से दक्षिण तक और पूरब से पश्चिम तक एकात्मता के सूत्र में बांधता है। भारत की सभ्यता और संस्कृति का अध्ययन करते हैं तो हमें साफ दिखायी देता है कि धार्मिक पर्यटन हमारी परंपरा में रचा-बसा है।

हर व्यक्ति को अपने जीवन में कुछ समय ऐसा जरूर निकालना चाहिए जिसमें खुशी, शांति, आस्था, धार्मिकता एवं प्रसन्नता के पल जीवंत हो सके, इसका सशक्त माध्यम है पर्यटन। जीवन में पर्यटन के सर्वाधिक महत्व के कारण ही हर साल 25 जनवरी को भारतीय पर्यटन दिवस मनाया जाता है। भारत की विविधता, धार्मिकता, ऐतिहासिकता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण, यह दिन देश की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव, जीवन में खुशियां, आस्था एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर करने के लिए है। भारत में कई धार्मिक स्थल हैं, जो देश-विदेश के पर्यटकों के आस्था का केंद्र है। जहां हजारों-लाखों की तादाद में श्रद्धालु पहुंचते हैं और मंदिरों की भव्यता देख दीवाने हो जाते हैं, अपूर्व शांति एवं धार्मिकता का अनुभव करते हैं। भारत की परंपरा, आस्था, धर्म और संस्कृति की अलग ही पहचान है। यहां ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों की भरमार है। भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा धार्मिक स्थलों का देश कहा जाता है। एक अनुमान के अनुसार, देशभर में पांच हजार से अधिक सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल हैं। अब उनमें एक और स्थान जुड़ गया- अयोध्याधाम। काशी, प्रयागराज और अयोध्या धाम धार्मिक पर्यटन के सबसे बड़े स्वर्ण त्रिकोण (गोल्डन ट्रायंगल) में शामिल हो गये हैं, अयोध्या में श्रीराम मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहले ही दिन पांच लाख लोगों ने दर्शन किये, वैसे सामान्य तौर पर अनुमान है कि यहां एक से डेढ़ लाख लोगों के आने की संभावना है। साल भर में संख्या 10 करोड़ को पार कर सकती है। भारत के हिन्दू मन्दिरों ने पर्यटन को पंख लगा दिये हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं काशी की कायाकल्प करके दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया है।

धर्म और अध्यात्म भारत की आत्मा है। यह धर्म ही है, जो भारत को उत्तर से दक्षिण तक और पूरब से पश्चिम तक एकात्मता के सूत्र में बांधता है। भारत की सभ्यता और संस्कृति का अध्ययन करते हैं तो हमें साफ दिखायी देता है कि धार्मिक पर्यटन हमारी परंपरा में रचा-बसा है। तीर्थाटन के लिए हमारे पुरखों ने पैदल ही इस देश को नापा है। भारत के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में आंध्रप्रदेश का तिरुपति भी एक है, यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। इस मंदिर में आए पर्यटक मंदिर की दक्षिण भारतीय वास्तुकला और शिल्पकला को देख दीवाने हो जाते हैं। मान्यता है कि, यहां आने के बाद व्यक्ति को जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्ति मिल जाती है। ओडिशा के तटवर्ती शहर पुरी में स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर हिंदुओं के चार धाम में से एक माना जाता है। यहां हर साल जून में होने वाला रथ यात्रा उत्सव विश्व प्रसिद्ध है, जिसमें भारत समेत विदेशों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। सपनों की माया नगरी कहे जाने वाले मुंबई में स्थित सिद्धिविनायक मंदिर में भगवान गणेश के दर्शन के बिना कोई भी पर्यटक नहीं लौटता।

वाराणसी या बनारस को दुनिया का सबसे प्राचीन शहर कहा जाता है। गंगा किनारे बसे इस शहर की खूबसूरती, लोगों का रहन-सहन, बुद्ध से लेकर कबीर-तुलसी, घाट, मंदिर, गलियां, खान-पान पर्यटकों को आकर्षित करती है। इसलिए हर दिन यहां हजारों पर्यटक पहुंचते हैं। बनारस का काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इसे 12 ज्योतिर्लिंगों में एक माना जाता है। गढ़वाल, उत्तरांचल में हिमालय पर्वतों के तल में बसा ऋषिकेश में नीलकंठ महादेव का मंदिर प्रमुख पर्यटन स्थलों में है। यह शहर दुनियाभर में योग राजधानी के तौर पर जाना जाता है। विदेश लोग योग साधना के लिए भी ऋषिकेश को खूब पसंद करते हैं, साथ ही हरिद्वार में गंगा की खूबसूरती एवं संध्या में गंगा आरती भी लोगों को खूब लुभाती है। ऐसे में जो लोग योग और अध्यात्म में रूचि रखते हैं वो यहां जरूर पहुंचते हैं। मथुरा, वृंदावन, अयोध्या, काशी, उज्जैन, द्वारिका, त्रिवेंद्रम, कन्याकुमारी, अमृतसर, जम्मू-कश्मीर, पुरी, केदारनाथ, बद्रीनाथ ऐसे आस्था के पर्यटन केन्द्र हैं, जो सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों एवं आस्था के पलों को वापस लाने में ही मदद नहीं करते बल्कि ये देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी बन रहे हैं। देश की पहली जरूरत अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है उसमें पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है।

भारतीय पर्यटन दिवस को वैश्विक पर्यटक को बढ़ावा देने के प्रयास हेतु मील के पत्थर के रूप में देखा जाता है एवं इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विश्व में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सामाजिक विरासत को जीवंतता देना एवं उसके प्रति जन जागरूकता फैलाना है। भारत जैसे देशों के लिए पर्यटन का खास महत्व है। देश की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। आज भारत जैसे देशों को देखकर ही विश्व के लगभग सभी देशों में पुरानी और ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षण, संवर्द्धन किया जाने लगा है। भारत असंख्य पर्यटन अनुभवों और मोहक स्थलों का देश है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों, नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हो, इसके चमकीले रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। केरल, शिमला, गोवा, आगरा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मथुरा, काशी जैसी जगहें तो अपने विदेशी पर्यटकों के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों या खूबसूरत समुद्री-तटों की यात्रा पर निकले हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में तो लोगों को घूमते-घूमते महीना बीत जाते हैं।

भारत के हर राज्य की अलौकिक और विलक्षण विशिष्टताएं हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। उन पर्यटकों के लिए भारत-यात्रा का विशेष आकर्षण है जो शांत, जादुई, सौंदर्य और रोमांच की तलाश में रहते हैं। यह भारत पल-पल परिवर्तित, नितनूतन, बहुआयामी और इन्द्रजाल की हद तक चमत्कारी यथार्थ से परिपूर्ण है। इस भारत की समग्र विविधताओं, नित नवीनताओं और अंतर्विरोधों से साक्षात्कार करना सचमुच अलौकिक एवं विलक्षण अनुभव है। जिससे इस बहुरूपी भारत को उसके बहुआयामी और निहंग वास्तविक रूप में देखा जा सके और ऊबड़-खाबड़ अनगढ़ता की परतों में छिपी सुंदरता को उद्घाटित किया जा सके। हम भारत को एक गुलदस्ते की भांति अनुभव करते हैं, एक ऐसा गुलदस्ता जिसमें भिन्न-भिन्न प्रकार के पुष्प सुसज्जित हैं। किसी फूल में कश्मीर की लालिमा है तो किसी में कामरूप का जादू। कोई फूल पंजाब की कली संजोए हैं, तो किसी में तमिलनाडु की किसी श्यामा का तरन्नुम। किसी में राजस्थान के बलिदान की गाथाएं हैं तो किसी में उत्तरप्रदेश की धार्मिकता। महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल और अन्य प्रदेशों में तो विविधता में सांस्कृतिक एकता के दर्शन होते हैं। इसी भांति जैसलमेर में पर्यटन से हटकर वहां संग्रहीत प्राचीन पांडुलिपियों की विशद् जानकारी, स्थापत्य कला एवं जैन दर्शनीय स्थलों का अनुभव भी अनूठा है। भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक सुन्दरता इतनी ज्यादा है कि पर्यटक ज्यादा समय तक यहां के सुन्दर नजारे देखने से दूर नहीं रह सके। यही वजह है कि भारत में विदेशी सैलानियों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न शहरों में अलग-अलग योजनाएं भी लागू की गयीं हैं। भारतीय पर्यटन विभाग ने 'अतुल्य भारत' नाम से अभियान चलाया था। इस अभियान का उद्देश्य भारतीय पर्यटन को वैश्विक मंच पर प्रोत्साहित करना था जो काफी हद तक सफल हुआ। भारत सरकार ने 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक वृद्धि अभियान' (प्रसाद) नाम से योजना शुरू की है। प्रसाद योजना का उद्देश्य प्रमुख धार्मिक स्थलों के बुनियादी ढांचे एवं सुविधाओं में सुधार करना है। इसे 2015 में पर्यटन मंत्रालय द्वारा 'स्वदेश दर्शन योजना' के हिस्से के रूप में प्रारंभ किया गया था।

संपादक की कलम से

'पारिवारिक जीवन के बारे में' तीन महत्वपूर्ण अदालती फैसले!

परिवार में स्नेह तथा तालमेल न हो तो जीवन नरक बन जाता है। इसी को रेखांकित करते हुए हाल ही में तीन न्यायाधीशों जस्टिस सुभाष चंद, जस्टिस सुरेश कुमार कैत तथा जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने हमारे प्राचीन धर्म ग्रंथों के हवाले से तीन महत्वपूर्ण फैसले सुनाए...

परिवार में स्नेह तथा तालमेल न हो तो जीवन नरक बन जाता है। इसी को रेखांकित करते हुए हाल ही में तीन न्यायाधीशों जस्टिस सुभाष चंद, जस्टिस सुरेश कुमार कैत तथा जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने हमारे प्राचीन धर्म ग्रंथों के हवाले से तीन महत्वपूर्ण फैसले सुनाए हैं:

12 जनवरी को झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस सुभाष चंद ने मनोज नामक व्यक्ति को आदेश दिया कि उसे हर हाल में अपने बुजुर्ग पिता को गुजारे के लिए 3000 रुपए मासिक देने होंगे क्योंकि पिता से जमीन का हिस्सा ले लेने के बावजूद उसने 15 वर्षों से उनका भरण-पोषण नहीं किया। जस्टिस सुभाष चंद ने अपने फैसले में यक्ष-युधिष्ठिर संवाद का उल्लेख करते हुए लिखा:

यक्ष ने युधिष्ठिर से पूछा-पृथ्वी से अधिक भारी क्या है? स्वर्ग से भी ऊंचा क्या है? हवा से भी क्षणभंगुर क्या है और घास से अधिक असंख्य क्या है?' युधिष्ठिर ने उत्तर दिया, ''मां पृथ्वी से भी अधिक भारी है, पिता स्वर्ग से भी ऊंचा है। मन हवा से भी क्षणभंगुर है और हमारे विचार घास से भी अधिक हैं।'' इसकी व्याख्या करते हुए जस्टिस सुभाष चंद ने मनोज को अपने पिता के प्रति अपना पवित्र कत्तव्य निभाने का आदेश दिया और कहा, ''भले ही पिता कुछ कमाते हों, उनका भरण-पोषण करना पुत्र का पवित्र कत्तव्य है।''

23 जनवरी, 2024 को जस्टिस सुभाष चंद ने एक अन्य फैसले में यजुर्वेद के श्लोक का उल्लेख करते हुए कहा, ''हे नारी, तुम चुनौतियों से हारने वाली नहीं हो। तुम सबसे शक्तिशाली चुनौती को पराजित कर सकती हो।'' फिर उन्होंने मनुस्मृति के हवाले से कहा, ''जिस परिवार की महिलाएं दुखी होती हैं, वह परिवार शीघ्र ही नष्टां हो जाता है और जहां महिलाएं संतुष्टां रहती हैं, वह परिवार सदा ही फलता-फूलता है।''

एक केस, जिसमें एक महिला अपनी सास की सेवा करने से बचने के लिए ससुराल छोड़ मायके चली गई थी, उसके पति द्वारा अपनी नाराज पत्नी को जरूरी निर्देश देने के लिए दायर याचिका पर फैसला सुनाते हुए जस्टिस सुभाष चंद ने कहा:

''वृद्ध सास-ससुर और दादी-सास की सेवा करना बहू का कत्तव्य और भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। वह अपने पति पर अपनी मां से अलग होने का दबाव नहीं बना सकती। पत्नी के लिए अपने पति की मां और नानी की सेवा करना अनिवार्य है। उसे इनसे अलग रहने की जिद नहीं करनी चाहिए।''

23 जनवरी को ही दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस सुरेश कुमार कैत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें जस्टिस नीना बंसल कृष्णा भी शामिल थीं, ने एक महिला के अपने पति के साथ तालमेल नहीं बैठाने के रवैए को मानसिक क्रूरता करार देते हुए उसके पति के पक्ष में तलाक का आदेश दे दिया और कहा: ''अपने पति के साथ कोई भी मतभेद बातचीत से सुलझाने की बजाय वह अपने जीवनसाथी को सार्वजनिक रूप से अपमानित करती थी। जीवन साथी के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाला अनुचित और निंदनीय आचरण मानसिक क्रूरता है।'' उल्लेखनीय है कि 16 वर्ष के विवाहित जीवन के बाद यह दम्पति अलग हो गया था। इस केस में जहां पति ने अपनी पत्नी पर मानसिक क्रूरता का आरोप लगाया, तो पत्नी ने दहेज मांगने का आरोप लगाया था।

पीठ ने कहा, ''दोनों पक्षों में मन-मुटाव एक वैवाहिक रिश्ते में होने वाला आम मन-मुटाव नहीं है। यह पति के प्रति पत्नी का क्रूरता पूर्ण कृत्य है।'' झारखंड तथा दिल्ली हाईकोर्टों के उक्त फैसले माता-पिता और सास-ससुर की सेवा से भागने वाले बेटों और बहुओं के लिए एक सबक के समान हैं, जिसके लिए जस्टिस सुभाष चंद, जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस नीना बंसल कृष्णा साधुवाद के पात्र हैं।

चर्चा

अपना प्राकृतिक आवास छिनता देख वन्य प्राणी करने लगे शहरों का रुख

वन संरक्षण अधिनियम 1980 में वनों की कटाई को बड़े स्तर पर रोकने के लिए अधिनियमित किया गया था मगर अभी भी राज्य सरकारें और कार्पोरेशनों ने वनों की कटाई को रोकने का प्रयास नहीं किया है। जब से इंसानों ने शहरों का विस्तार करने के लिए जंगलों का रुख कर...

वन संरक्षण अधिनियम 1980 में वनों की कटाई को बड़े स्तर पर रोकने के लिए अधिनियमित किया गया था मगर अभी भी राज्य सरकारें और कार्पोरेशनों ने वनों की कटाई को रोकने का प्रयास नहीं किया है। जब से इंसानों ने शहरों का विस्तार करने के लिए जंगलों का रुख कर लिया है, इससे अपना प्राकृतिक आवास छिनता देख जंगली जानवरों का शहरी इलाकों में आना-जाना आम होता जा रहा है।

* 2 दिसम्बर को राजधानी दिल्ली के 'सैनिक फार्म' में तेंदुआ दिखाई देने के बाद लोगों में दहशत फैल गई।

* 26 दिसम्बर को पीलीभीत (उत्तर प्रदेश) में एक बाघिन देर रात कलीनगर तहसील क्षेत्र के अटकोना गांव में घुस आई और एक दीवार पर काफी देर तक इधर से उधर घूमती या बैठ कर पोज देती रही।

* 8 जनवरी को छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश) शहर में एक बाघ घुस आया और सारी रात इधर-उधर घूमता रहा। इससे इलाके में दहशत फैल गई और वन विभाग ने लोगों को घरों में ही रहने का अलर्ट जारी कर दिया।

* 14 जनवरी को वायरल हुए एक वीडियो में देहरादून (उत्तराखंड) की वृंदावन कालोनी में एक तेंदुआ घूमता दिखाई दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार इसी तेंदुए ने कनाल रोड के पास एक लड़के पर हमला किया था।

* 18 जनवरी को एक हाथी ओडिशा के मयूरभंज जिले के बारीपदा शहर में घुस आया और शहर में एक स्थान से दूसरे स्थान तक लोगों को दौड़ाता रहा। उसने कुछ घरों की चारदीवारी को भी तोड़ दिया तथा एक सरकारी स्कूल की चारदीवारी तोड़ कर वहां भी घुसने की कोशिश की। यही नहीं, पिछले कुछ दिनों से इंदौर (मध्य प्रदेश) में इंफोसिस और टी.सी.एस. के परिसरों में एक मादा तेंदुआ ने अपने 2 बच्चों के साथ डेरा जमा रखा है जिस कारण दोनों ही कम्पनियों के कर्मचारियों को सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है।

इन दोनों ने अपनी गतिविधियां दोनों परिसरों की कुछ इमारतों तक सीमित रखी हुई हैं। वन विभाग के लोगों का कहना है कि मादा तेंदुआ और बच्चे काफी समय से परिसर में ही रह रहे होंगे और शायद इनका जन्म भी वहीं हुआ हो। इनको पकडने के लिए पिंजरे लगाए गए लेकिन ये तेंदुए पिंजरों के निकट भी नहीं फटके। उक्त उदाहरणों से स्पष्ट है कि जहां मनुष्य वन्य जीवों के मूल निवास स्थान जंगलों का सफाया करके उन पर कब्जा कर रहे हैं वहीं वन्य जीव भी अपना प्राकृतिक आवास छोड़ कर शहरों में इन्सानी आबादी की ओर रुख करने को मजबूर होने लगे हैं।

निश्चय ही यह एक चिंताजनक स्थिति है। इससे पहले कि अनेक वनस्पतियां और जानवर नष्ट हो जाएं, लोगों को जंगल काट कर वन्य प्राणियों को उनके प्राकृतिक आवासों से बेदखल करने की कोशिश बंद कर देनी चाहिए।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

विपक्षी गठबंधन का हवाई किला इतनी जल्दी ढहने की उम्मीद

भारतीय राजनीति का इतिहास खंगालें तो पिछले 75 वर्षों में न जाने कितने गठबंधन बने और बिखरे, और पुनः बने। चूंकि विपक्ष की नियति टूटने की है, लिहाजा बार-बार गठबंधन करना पड़ता है। यह नियति हम जनता पार्टी के दौर से देखते आ रहे हैं।

इंडी गठबंधन के बारे में राजनीति की समझ रखने वाले अधिकतर व्यक्तियों के अनुमान सही साबित हुए। गठबंधन की पहली बैठक के बाद से ही उसके भविष्य के बारे में जो कुछ कहा जा रहा था, वो शब्दशः धरती पर उतरता दिख रहा है। वास्तव में, इंडी नामक विपक्षी गठबंधन में चूंकि वैचारिक साम्यता नहीं है इसीलिए इसकी एकजुटता प्रारंभ से ही संदिग्ध रही है। उससे जुड़े दल मोदी विरोध पर तो एकमत हैं किंतु आपसी विश्वास नजर नहीं आने से एक कदम आगे, दो कदम पीछे वाली स्थिति बनी हुई है। एक तरफ तो भाजपा अपनी व्यूह रचना मजबूत करती जा रही है वहीं विपक्षी दलों में सीटों के बंटवारे की गुत्थी उलझती जा रही है। सीट के बंटवारे की वेला समीप आते ही, गठबंधन तिनकों की तरह बिखरता जा रहा है।

भारतीय राजनीति का इतिहास खंगालें तो पिछले 75 वर्षों में न जाने कितने गठबंधन बने और बिखरे, और पुनः बने। चूंकि विपक्ष की नियति टूटने की है, लिहाजा बार-बार गठबंधन करना पड़ता है। यह नियति हम जनता पार्टी के दौर से देखते आ रहे हैं। 2014 में केंद्र में मोदी सरकार के गठन के बाद से हर बीतते वर्ष के साथ विपक्ष की राजनीति की कांति लगातार प्रभावहीन हो रही है। मोदी सरकार के नौ वर्षों के कामकाज के बाद विपक्ष ने बड़ा साहस और शक्ति जुटाकर इंडिया गठबंधन का गठन किया था। गठबंधन के बाद विपक्ष ने मीडिया और प्रचार तंत्र के माध्यमों से ऐसा वातावरण और संदेश देने का काम किया था कि इस गठबंधन के सामने भाजपानीत एनडीए गठबंधन टिक नहीं पाएगा। लेकिन गठबंधन की पहली बैठक के समय से ही जिस तरह की चालाकी और व्यवहार गठबंधन में शामिल घटक दलों के नेता एक दूसरे के साथ कर रहे थे, उससे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि इस गठबंधन की आयु दीर्घ नहीं होगी। लेकिन इतनी छोटी होगी कि वो चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा, इसकी उम्मीद तो किसी को भी नहीं थी।

विपक्षी गठबंधन अपने अस्तित्व के लगभग सात माह के दौरान चाय-नाश्ते पर बैठकें तो कर सका, लेकिन सीटों के बंटवारे, सचिवालय, संयोजक, साझा न्यूनतम कार्यक्रम, साझा नारा, ध्वज आदि पर आज तक सहमत नहीं हो सका है। अब तो अलगाव की नौबत भी आ गई है। बंगाल के अलावा, पंजाब की घोषणा भी अलगाववादी है। बिहार से भी जो समाचार आ रहे हैं, उनके मुताबिक नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन का साथ छोड़कर एनडीए का हिस्सा बन सकते हैं। विपक्ष के सामने चुनौती है कि कैसे भाजपा को लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने से रोका जाए और तमाम सर्वे कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। ऐसी स्थिति में मोदी का मुकाबला कैसे होगा ये अहम प्रश्न है?

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस और पंजाब में भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी की ओर से घोषणाएं की हैं कि वे अकेले ही सभी सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। अलबत्ता उन्होंने 'इंडिया' का हिस्सा बने रहने की भी घोषणाएं की हैं। अपने प्रभाव क्षेत्रों के बाहर गठबंधन के मायने क्या हैं? यदि ये घोषणाएं 'अंतिम' हैं, तो भाजपा की चुनावी संभावनाएं बढ़ सकती हैं। ममता और भगवंत मान दोनों ही अपने-अपने राज्य के मुख्यमंत्री हैं। आश्चर्य यह है कि बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। वह छुटभैया नेता नहीं हैं, बल्कि लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता हैं। वह ममता बनर्जी को 'अवसरवादी नेता' करार देते रहे हैं और बार-बार बयान देते हैं कि ममता कांग्रेस की कृपा और मदद से ही पहली बार सत्ता में आई थीं। कांग्रेस अकेले ही चुनाव लड़ने में सक्षम है।

ममता 'इंडिया' की भीतरी राजनीति से क्षुब्ध थीं। उनके प्रत्येक प्रस्ताव को खारिज किया गया। गठबंधन में वाममोर्चे के नेताओं का प्रभाव ज्यादा है और वे हरेक बैठक को 'तारपीडो' करते रहे हैं। ममता का आरोप है कि राज्य में कांग्रेस की रैलियां की जा रही हैं। उनके खिलाफ ज़हर उगला जा रहा है। राहुल गांधी की 'न्याय यात्रा' की न तो उन्हें जानकारी दी गई और न ही कोई आमंत्रण मिला। बंगाल में 'न्याय यात्रा' और राहुल गांधी के जो पोस्टर लगाए गए थे, ममता की घोषणा के बाद उन्हें फाड़ना शुरू कर दिया गया। दोनों दलों के बीच विषैला अलगाव इस सीमा तक पहुंच चुका है। अंततः ममता ने फैसला किया कि उनकी तृणमूल कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस के साथ, कोई गठबंधन नहीं करेगी और सभी 42 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी।

हालांकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बयान देकर पार्टी का नरम रुख जताया कि ममता के बिना 'इंडिया' गठबंधन की कल्पना तक नहीं की जा सकती। बहरहाल, तृणमूल कांग्रेस बंगाल की सबसे मजबूत राजनीतिक ताकत है। 2019 के आम चुनाव में 43 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल कर उसके 22 सांसद जीते थे, जबकि कांग्रेस के 5.5 फीसदी वोट के साथ मात्र 2 सांसद ही संसद तक पहुंच पाए थे। वाममोर्चे को करीब 7.5 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन सांसद के तौर पर 'शून्य' ही नसीब हुआ। भाजपा को 40 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे और उसके पहली बार 18 सांसद चुने गए।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि पंजाब के सीटों पर किसी से समझौता नहीं होगा। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में 13 लोकसभा सीटों के लिए करीब 40 उम्मीदवार शार्ट लिस्ट किए हैं। आम आदमी पार्टी 13 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के लिए सर्वे करवा रही है। कांग्रेस ने साल 2019 में राज्य में आठ लोकसभा सीटें जीती थीं, जबकि आप ने केवल एक सीट जीती थी। वहीं 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आप ने पंजाब में 92 सीटें जीतीं, जबकी 2017 में उसके 20 उम्मीदवार जीते थे। उसका वोट शेयर बढ़कर 42.4 प्रतिशत हो गया था। इसी के साथ कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी थी। कांग्रेस को सिर्फ 18 सीटें मिली थीं।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि पंजाब के सीटों पर किसी से समझौता नहीं होगा। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में 13 लोकसभा सीटों के लिए करीब 40 उम्मीदवार शार्ट लिस्ट किए हैं। आम आदमी पार्टी 13 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के लिए सर्वे करवा रही है। कांग्रेस ने साल 2019 में राज्य में आठ लोकसभा सीटें जीती थीं, जबकि आप ने केवल एक सीट जीती थी। वहीं 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आप ने पंजाब में 92 सीटें जीतीं, जबकी 2017 में उसके 20 उम्मीदवार जीते थे। उसका वोट शेयर बढ़कर 42.4 प्रतिशत हो गया था। इसी के साथ कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी थी। कांग्रेस को सिर्फ 18 सीटें मिली थीं।

बिहार में अटकलें तेज़ हैं कि मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड प्रमुख नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के साथ महागठबंधन को छोड़कर एक बार फिर एनडीए में जा सकते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने जेडीयू और लोकजनशक्ति पार्टी के साथ गठबंधन करके 54.40 प्रतिशत वोट हासिल कर बिहार की 39 लोकसभा सीट जीती थीं। इस दौरान एनडीए को मिले 54.40 प्रतिशत मत में 22.3 फीसदी वोट नीतीश की पार्टी जेडीयू का था। जबकि महागठबंधन का वोट शेयर 31.40 प्रतिशत था। जेडीयू को 2019 लोकसभा चुनाव में 17 में से 16 सीटों पर जीत मिली थी। सर्वे बता रहे हैं कि जेडीयू को इस बार ऐसे नतीजे नहीं मिलने वाले हैं। नीतीश को लगता है कि अगर उन्हें ज्यादा सीटें जीतनी हैं तो पाला बदलना पड़ेगा। वह इस बात को भलीभांति जानते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर खुलने, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और उनकी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की वजह से बीजेपी को 2024 में जीत मिल सकती है।

उत्तर प्रदेश में अभी तक विपक्षी गठबंधन के साथियों में यह तय नहीं हो सका है कि किसे कितनी सीटें मिलेंगी। राज्य की 80 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस ने 20 सीटों की मांग की है लेकिन समाजवादी पार्टी को यह मांग जायज नहीं लग रही है। दोनों दलों के नेताओं के बीच सीट बंटवारे को लेकर बैठक हो चुकी है। इस बीच सपा ने राष्ट्रीय लोकदल के साथ सात सीटों को लेकर समझौता की घोषणा कर दी है। अभी सीटों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। पिछली बार 2019 में हुए चुनाव में आंकड़ों पर गौर करें तो बीजेपी के खाते में कुल वोट का 49.56 प्रतिशत गया था। वहीं बसपा को 19.26, सपा को 17.96 और कांग्रेस को 6.31 प्रतिशत वोट हासिल हुआ था। हालांकि सपा और बसपा एक साथ मिलकर चुनाव मैदान में उतरे थे। लेकिन चुनाव के बाद फिर से दोनों दलों के बीच खटास आ गई थी।

ऐसा लगता है इंडी के बाकी घटक ये जान गए हैं कि कांग्रेस नीति और नेतृत्व की दृष्टि से खस्ताहाल में है। ऐसे में वे उसके साथ डूबने की बजाय खुद का बचाव करने की रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं। वहीं जो पार्टी अपने राज्य में मजबूत है वो वहां कांग्रेस को भाव देने के मूड में नहीं है। ये भी लगता है कि राहुल की न्याय यात्रा से भी गठबंधन के सदस्य नाराज हैं। उन्हें लगता है कि इस समय गठबंधन का सामूहिक शक्ति प्रदर्शन ज्यादा असरकारक साबित होता। लेकिन कांग्रेस ने बिना सहयोगियों को विश्वास में लिए ही राहुल की यात्रा शुरू कर दी। एक तरफ जहां भाजपा जनवरी के अंत तक 2019 में हारी हुई लोकसभा सीटों पर प्रत्याशी घोषित करने का संकेत दे रही है तब कांग्रेस की शक्ति और संसाधन इस यात्रा के प्रबंधन में खर्च कर रही है। होना तो ये चाहिए ऐसे समय बजाय यात्रा के राहुल गठबंधन के सदस्यों के बीच सामंजस्य बनाकर सीट बंटवारे का आधार तय करते हुए अपने नेतृत्व के प्रति उनमें भरोसा पैदा करते। लेकिन ऐसा लगता है न तो वे और न ही उनकी पार्टी दीवार पर लिखी इबारत को पढ़ पा रही है।

डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब के लिए 5000 करोड़ के वित्तीय आवंटन की मांग, वैश्विक शिपिंग लाइन स्थापित करना भी जरूरी

फियो ने कहा है कि वस्तु निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए सभी राज्य व जिलों की भागीदारी को बढ़ाना होगा। 50 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब विकसित करने के लिए बजट में 5000 करोड़ का आवंटन करना चाहिए। वस्तु निर्यात में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी देश के सिर्फ पांच राज्यों की है। आइये इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशंस (फियो) ने कहा है कि वस्तु निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए सभी राज्य व जिलों की भागीदारी को बढ़ाना होगा। इस काम के लिए सरकार को 50 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब विकसित करने के लिए बजट में 5000 करोड़ का आवंटन करना चाहिए।

वस्तु निर्यात में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी देश के सिर्फ पांच राज्यों की है। गुजरात अकेले वस्तु निर्यात में 30 प्रतिशत का योगदान देता है। 15 राज्य व केंद्रशासित प्रदेश ऐसे हैं जिनका वस्तु निर्यात में एक प्रतिशत से भी कम का योगदान है। इनकी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए जिला स्तर पर डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब विकसित करना जरूरी है।

500 जिलों में निर्यात प्रोत्साहन रणनीति तैयार

देश के 500 जिलों में निर्यात प्रोत्साहन रणनीति तैयार कर ली गई है, लेकिन इंफ्रास्ट्रक्चर व निर्यात संबंधित अन्य सुविधाओं की कमी से रणनीति पर अमल नहीं हो पा रहा है। इसलिए सरकार की तरफ से एक जिला के लिए 100 करोड़ के फंड की घोषणा होनी चाहिए।

आगामी एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट की घोषणा करेंगी। फियो के कार्यवाहक अध्यक्ष इसरार अहमद ने बताया कि उन्होंने वित्त मंत्री से बजट में वैश्विक शि¨पग लाइन भी विकसित करने की घोषणा की मांग की है। ताकि शिपिंग के मद में भारतीय निर्यातकों के खर्च में कमी आए और देश का पैसा देश में ही रहे।

2021 में निर्यातकों ने खर्च 80 अरब डालर

उन्होंने बताया कि वस्तु निर्यात के लिए शिपिंग के मद में वर्ष 2021 में भारतीय निर्यातकों ने 80 अरब डालर खर्च किए। वर्ष 2030 तक यह लागत सालाना 200 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगी। अगर भारत की अपनी शिपिंग लाइन विकसित होती है तो हर साल कम से कम इस लागत की 25 प्रतिशत राशि बचाई जा सकती है।

दूसरी तरफ अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (एईपीसी) ने सरकार से बजट में मैनमेड फैबरिक की वैल्यू चेन के लिए एक समान जीएसटी करने और ट्रिमिंग में इस्तेमाल होने वाले आइटम के आयात को शुल्क मुक्त करने की मांग की है। एईपीसी के महासचिव मिथिलेश्वर ठाकुर ने बताया कि मैनमेड फैबरिक की वैल्यूचेन में फाइबर, यार्न व फैबरिक शामिल है।

इनमें फाइबर पर 18 प्रतिशत, यार्न पर 12 प्रतिशत तो फैबरिक पर पांच प्रतिशत की दर से जीएसटी लगता है। इससे उद्यमी अपना इनपुट क्रेडिट का इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं जिससे मुख्य रूप से एमएसएमई यूनिट प्रभावित होती है।

2024 में जेनरेटिव एआई में निवेश बढ़ाएगा APAC बिजनेस, 3.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक जाएगा खर्चा

एशिया-प्रशांत की कंपनियां जेनरेटिव एआई में तेजी से निवेश बढ़ा रही हैं और परिपक्वता के उच्च चरण में प्रवेश कर रही हैं। जबकि APAC कंपनियां वर्तमान में GenAI खर्च में अपने उत्तरी अमेरिकी समकक्षों से पीछे हैं। चीन इस क्षेत्र में सबसे आगे है जहां निवेश 160 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 2.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है। आइये इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। इंफोसिस रिसर्च के मुताबिक एशिया प्रशांत कारोबार जेनरेटिव एआई (जेनएआई) में निवेश बढ़ा रहे हैं और 2024 में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, चीन, जापान, भारत और सिंगापुर में इस तकनीक पर खर्च लगभग तीन गुना होकर 3.4 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इसमें कहा गया है कि जबकि खर्च उत्तरी अमेरिका से पीछे है, एपीएसी की स्वीकार्यता, प्रभावशीलता और वृद्धि वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा है। आईटी प्रमुख की शोध शाखा, इंफोसिस नॉलेज इंस्टीट्यूट (आईकेआई) ने शोध में कहा कि एशिया-प्रशांत की कंपनियां जेनरेटिव एआई में तेजी से निवेश बढ़ा रही हैं और परिपक्वता के उच्च चरण में प्रवेश कर रही हैं।

जबकि APAC कंपनियां वर्तमान में GenAI खर्च में अपने उत्तरी अमेरिकी समकक्षों से पीछे हैं, शोध में किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में बड़ी वृद्धि का अनुमान लगाया गया है, जो कि 140 प्रतिशत है।

3.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश

इसका मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, चीन, जापान, भारत और सिंगापुर में 3.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जाएगा। इन्फोसिस की जेनरेटिव एआई रडार एपीएसी रिपोर्ट में बिजनेस लीडर्स और एआई प्रैक्टिशनर्स के साथ साक्षात्कार की अंतर्दृष्टि और ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, चीन, जापान, भारत और सिंगापुर के 1,000 उत्तरदाताओं का सर्वेक्षण शामिल है।

चीन GenAI में सबसे आगे

APAC के उद्यम GenAI में भारी निवेश कर रहे हैं। चीन इस क्षेत्र में सबसे आगे है, जहां निवेश 160 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 2.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है, और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की वृद्धि उसके पीछे है। शोध के निष्कर्षों से पता चला कि एएनजेड (ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड) में निवेश 150 प्रतिशत से अधिक बढ़ने की उम्मीद है, जो 2024 में 60 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 151 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो जाएगा।

पर्सलन लोन लेने की कर रहे हैं प्लानिंग; ये बैंक लेते हैं सबसे कम इंट्रेस्ट...

अगर आपको किसी छोटे काम के लिए कुछ पैसों की जरूरत है तो ऐसे में पर्सनल लोन आपको काम आ सकता है। अगर आप पर्सनल लेना चाहते हैं तो आज हम आपको बताएंगे कि कौन से बैंक कम इंट्रेस्ट रेट देता है। इस लिस्ट में ICICI बैंक ऑफ बड़ौदा और एक्सिस बैंक शामिल है। आइये इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। पर्सनल लोन लगभग हर बैंक की तरफ से ऑफर किए जाते हैं , मगर उनके इंट्रेस्ट रेट अलग अलग होते हैं । ऐसे में अगर आप अपने किसी काम के लिए पर्सनल लोन लेना चाहते हैं तो हम आपको बता दें कि अलग-अलग बैंक अलग अलग ब्याज दर देते हैं।

जानकारी के लिए बता दें कि बैंक और क्रेडिट स्कोर के आधार ब्याज दर अलग-अलग होते हैं। यहां हमने कुछ बैंक की लिस्ट बनाए है। आइये इनके बारे में जानते हैं।

ICICI बैंक

ICICI बैंक अपने कस्टमर्स को 5 साल की समयावधि के लिए 1 लाख लोन देता है, जिस पर 10.75 प्रतिशत से 19 प्रतिशत तक ब्याज लग सकता है।

यानी कि हर महीने आपको 2162 से 2594 रुपये तक हो EMI देनी पड़ सकती है। ICICI बैंक लोन का 2.5 प्रतिशत तक प्रोसेसिंग फीस के तौर पर लेता है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अपने कस्टमर्स को 5 साल की समयावधि के लिए 1 लाख लोन देता है, जिसपर आपको 9.3 प्रतिशत से 13.4 प्रतिशत ब्याज दर मिलती है।

इस लोन में आपको पर 2090 से 2296 रुपये तक की EMI देनी पड़ सकती है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ऋण राशि का 0.5 प्रतिशत प्रोसेसिंग शुल्क लेता है।

बैंक ऑफ इंडिया

ये बैंक 5 साल के लिए 1 लाख की पर्सनल लोन देता है, जिस पर आपको 10.35 प्रतिशत से 14.85 प्रतिशत तक होती है।

इसमे आपको 2142 से 2371 रुपये तक की EMI देनी पड़ सकती है और प्रोसेसिंग फी 2 प्रतिशत की लगती है।

एचडीएफसी बैंक

आपको बता दें कि HDFC बैंक कस्टमर्स को 5 साल की समयावधि के लिए 1 लाख का लोन देता है, जिसपर 10.35 प्रतिशत से 21 प्रतिशत तक ब्याज लगता है।

ईएमआई की बात करें तो आपको 2142 से 2705 रुपये हर महीने देने होंगे।

एक्सिस बैंक

एक्सिस बैंक आपको 5 साल के लिए 1 लाख का लोन मिलता है, जो ब्याज दर 10.49 प्रतिशत से 13.65 प्रतिशत दिया जाता है।

आपको हर महीने 2149 से 2309 रुपये तक की EMI देनी होती है।

ये डॉक्यूमेंट है जरुरी

इसके लिए आपको अपना आईडी प्रमाण, पता प्रमाण और लेटेस्ट 3 सैलरी स्लिप के देनी होगी। अगर आप पहले से ही बैंक ग्राहक हैं और KYC हैं तो आपको सैलरी स्लिप देनी की जरूरत नही है।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर की गिरावट, यहां जानें डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

19 जनवरी 2023 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.795 बिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 616.143 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। वहीं सोने का भंडार भी 34 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 47.212 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया। आपको बता दें कि विदेशी मुद्रा भंडार या विदेशी मुद्रा भंडार (एफएक्स रिजर्व) ऐसी संपत्तियां हैं जो किसी देश के केंद्रीय बैंक या मौद्रिक प्राधिकरण के पास होती हैं।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी लेटेस्ट आंकड़ों से पता चलता है कि 19 जनवरी, 2023 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.795 बिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 616.143 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

केंद्रीय बैंक के साप्ताहिक सांख्यिकीय आंकड़ों से पता चलता है कि सप्ताह के दौरान, भारत की विदेशी मुद्रा संपत्ति (FCA), विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक, 2.653 बिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 545.855 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।

सप्ताह के दौरान सोने का भंडार 34 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 47.212 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया।

विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट

कैलेंडर वर्ष 2023 में, RBI ने अपनी विदेशी मुद्रा निधि में लगभग 58 बिलियन अमेरिकी डॉलर जोड़े। 2022 में, भारत की विदेशी मुद्रा निधि में संचयी रूप से 71 बिलियन अमेरिकी डॉलर की गिरावट आई।

विदेशी मुद्रा भंडार या विदेशी मुद्रा भंडार (एफएक्स रिजर्व), ऐसी संपत्तियां हैं जो किसी देश के केंद्रीय बैंक या मौद्रिक प्राधिकरण के पास होती हैं।

इसे आमतौर पर आरक्षित मुद्राओं में रखा जाता है, जिसमें आमतौर पर अमेरिकी डॉलर और, कुछ हद तक, यूरो, जापानी येन और पाउंड स्टर्लिंग शामिल है।

अक्टूबर 2021 में, देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 645 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। तब से अधिकांश गिरावट को 2022 में आयातित वस्तुओं की लागत में वृद्धि के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

आरबीआई करता है निगरानी

इसके अलावा, विदेशी मुद्रा भंडार में सापेक्ष गिरावट को बढ़ते अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में असमान मूल्यह्रास का बचाव करने के लिए समय-समय पर बाजार में आरबीआई के हस्तक्षेप से जोड़ा जा सकता है।

आमतौर पर, आरबीआई समय-समय पर रुपये में भारी गिरावट को रोकने के लिए डॉलर की बिक्री सहित तरलता प्रबंधन के माध्यम से बाजार में हस्तक्षेप करता है।

आरबीआई विदेशी मुद्रा बाजारों की बारीकी से निगरानी करता है और किसी पूर्व-निर्धारित लक्ष्य स्तर या बैंड के संदर्भ के बिना, विनिमय दर में अत्यधिक अस्थिरता को नियंत्रित करके केवल व्यवस्थित बाजार स्थितियों को बनाए रखने के लिए हस्तक्षेप करता है।

अपडेट हुए पेट्रोल-डीजल के दाम, चेक करें आपके शहर में अब कितनी है कीमत

तेन कंपनियां रोज सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल के दाम को अपडेट करती है। शनिवार को कुछ शहरों में पेट्रोल की कीमतों में कमी तो कुछ में हल्की बढ़ोतरी देखी गई। बता दें कि इन कीमतों पर क्रूड ऑयल की कीमतों का सीधा असर पड़ता है। यहां आपको महानगरों के साथ साथ देश के सभी छोटे बड़े शहरों की कीमत की जानकारी मिलेगी।

नई दिल्ली। शनिवार यानी 27 जनवरी को फ्यूल की कीमतों को अपडेट किया गया है। यह कीमत क्रूड ऑयल की कीमतों के आधार पर तय होती है। आपको बताते चले कि देश की सरकारी तेल कंपनियों (भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड) इनकी कीमतों पर टैक्स, वैट, कमीशन आदि लगाते हैं।

रोजाना सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल की कीमत तय होती है। ऐसे में आपको गाड़ी की टंकी फुल करवाने से पहले पेट्रोल-डीजल के लेटेस्ट रेट जरूर चेक करना चाहिए।

मेट्रोसिटी में पेट्रोल-डीजल के दाम

गुड रिटर्न वेबसाइट ने फ्यूल की कीमतों का खुलासा किया है। आइये इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

बेंगलुरु में पेट्रोल 101.94 रुपये और डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है

अन्य शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम

नोएडा में पेट्रोल 96.94 रुपये और डीजल 90.11 रुपये हो गया है।

गुरुग्राम में पेट्रोल 96.76 रुपये और डीजल 89.64 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

हैदराबादः पेट्रोल 109.66 रुपये और डीजल 97.82 रुपये प्रति लीटर

चंडीगढ़ः पेट्रोल 96.20 रुपये और डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर

बेंगलुरुः पेट्रोल 101.94 रुपये और डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर

लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

जयपुर में पेट्रोल 109.31 रुपये और डीजल 94.47 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

भुवनेश्वर में पेट्रोल 103.18 रुपये और डीजल 94.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

कैसे पता करें कीमत

अगर आप अपने शहर की कीमतो का पता लगाना चाहते हैं तो आप इंडियन ऑयल ऐप के जरिये लेटेस्ट रेट चेक कर सकते हैं।

ये है टॉप इन्वेस्टमेंट स्कीम, टैक्स सेविंग के साथ मिलेगा अच्छा रिटर्न

पैसे सेव करना हर किसी के लिए जरूरी होता है और हर कोई ऐसे ऑप्शन देखता है जिसमें उनके टैक्स सेविंग के साथ इंवेस्टमेंट भी हो सकें और बेहतर रिटर्न मिलें। आज हम आफको कुछ ऐसे ऑप्शन बताने जा रहे है जो आपको टेक्स सेविंग के साथ अच्छा रिटर्न भी मिलेगा। इसमें पीपीएफ सीनियर सिटीजन स्कीम और सुकन्या समृद्धि योजना शामिल है। आइये इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। टैक्स पेयर के लिए वो समय आने वाला है , जब वे अपने टैक्स को बचाने की तैयारी में जुट जाते हैं। वे ऐसे में कुछ ऐसी सेविंग स्क्रीम की तलाश करते हैं, जो टैक्स बचाने के साथ अच्छा रिटर्न भी पा सकते हैं।

अच्छी बात ये है कि सरकार आपके लिए ऐसे ही कुछ विकल्प लाता है, जिससे आप अपने टैक्स को बचाने के साथ साथ बेहतरीन रिटर्न पा सकते हैं। हम सरकार के कुछ स्कीम की बात कर रहे हैं ,जिसमें पब्लित प्रोविजन फंड (PPF), फिक्स डिपॉजिट, सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) और सीनियर सिटिजन स्कीम (SCSS) को शामिल किया है। इन स्कीम के साथ आपको ब्याज के माध्यम से गारंटीकृत रिटर्न मिलता है। आइये इनके बारे में जानते हैं।

सीनियर सिटिजन सेविंग स्कीम (SCSS)

भारत सरकार अपने देश के वरिष्ट नागरिकों के लिए सीनियर सिटिजन सेविंग स्कीम (SCSS) को पेश किया है, जो एक खास पहल है।

इस योजना का लक्ष्य भारत के सीनियर सिटिजन को बेहतर और सुरक्षित इंवेस्टमेंट देना है।

सरकार की इस खास योजना का लाभ केवल ये लोग कर सकते हैं, जो 60 वर्ष से अधिक आयु के है।

इसके अलावा 55 वर्ष की आयु के वो वरिष्ट नागरिक, जो वे सेवानिवृत्ति या स्वैच्छिक या विशेष स्वैच्छिक योजना के तहत सेवानिवृत्त हुए हैं।

वहीं 50 साल के वे वरिष्ट नागरिक जो पूर्व सैन्य कर्मी हैं, केवल नागरिक सुरक्षा कर्मियों को छोड़कर। यानी कि जो कर्मचारी जल्दी सेवानिवृत्त होना चाहते हैं वे SCSS भत्ते का उपयोग नहीं कर सकते हैं।

इस खास पोस्ट ऑफिस बचत योजना में आपक अपनी जमा राशि पर 8.20 फीसदी ब्याज पा सकते हैं। इस स्क्रीम में 1000 रुपये से 30 लाख रुपये तक निवेश किया जा सकता है।

इस प्लान में आपको 80C के तहत 1.50 लाख रुपये तक टैक्स छूट मिल सकती हैं।

सामान्य भविष्य निधि (PPF)

PPF को भारत के कई डाकघरों और कई बैंकों में पेश किया जाता है और यह लोगों का पसंदीदा निवेश प्लान है।

इस सेविंग स्कीम के साथ आपको गारंटीड रिटर्न मिलता है और इससे मिलने वाला ब्याज भी टैक्स-फ्री होता है। बता दें कि PPF 15 साल बाद मैच्योर होता है यानी यह एक लंबी अवधि की निवेश प्लान है।

फिलहाल स्कीम में 7.1 फीसदी का ब्याज मिल सकता है और PPF में किए गए निवेश को EEE कैटेगरी में आते है आपका निवेश, ब्याज और परिपक्वता राशि पूरी तरह से टैक्स फ्री है। इसमे आपको 80C के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट मिल सकती है।

सुकन्या समृद्धि योजना

SSY एक सरकार समर्थित बचत योजना है , जो बेटियों के लिए पेश किया गया है। इस स्कीम की मदद से आप अपनी बेटी के भविष्य सुरक्षित कर सकते हैं।

सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश करने पर आपको 8.1 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलता है।

इस योजना में एक वित्तीय वर्ष में आप 15 साल तक 250 रुपये से लेकर 1.5 लाख रुपये का निवेश कर सकते हैं।ये अकाउंट दो बेटियों के लिए खोले जा सकते हैं।

इस योजना में आपको 80C के तहत सालाना 1.5 लाख रुपये तक कर छूट मिलता है।

राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS)

ये स्कीम खासकर नौकरीशुदा लोगों के लिए है, जो अपने रिटायरमेंट के बाद अच्छी खासी रकम चाहते हैं।

इसके अलावा आपको हर महीने एक फिक्स अमाउंट भी मिलेगा, जो भी लोग NPS स्कीम में इंवेस्ट करेंगे।

रिपोर्ट की मानें तो ये स्कीम टैक्स सेविंग के लिहाज से एक बेस्ट ऑप्शन है, क्योंकि इसमें आपको 80C और 80CCD (1B) के तहत 50 हजार रुपये की टैक्स छूट मिल सकती है।

आप अपने NPS अकाउंट से अधिकतम 60 प्रतिशत धनराशि निकाल सकते हैं और फंड आपको एक मंथली पेंशन देने के लिए 40% अमाउंट को डेट फंड में निवेश करता है।

विमानन मंत्री बोले: डिजी यात्रा यात्रियों की इच्छा पर निर्भर, बिना सहमति के एकत्र नहीं किए जा सकते आंकड़े

घरेलू यात्रियों के लिए डिजी यात्रा अभी तेरह हवाई अड्डों पर उपलब्ध है। डिजी यात्रा ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हवाई अड्डों पर विभिन्न चेक प्वाइंट पर जरूरी डाटा को डिजिटली सत्यापित (वेरिफाई) करने के लिए चेहरे के बायोमेट्रिक्स का इस्तेमाल किया जाता है।

नई दिल्ली। डिजी यात्रा को लेकर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कहा कि यह पूरी तरह से यात्रियों की इच्छा पर निर्भर है। उन्होंने कहा, हवाई अड्डों पर कर्मियों को निर्देश दिया गया है कि यात्रियों को सहमति के बाद ही आवेदन के लिए आंकड़े (डाटा) एकत्र करें।

ऐसी शिकायतें थीं कि यात्रियों से उनकी सहमति के बिना ही बायोमैट्रिक डाटा एकत्र किया जा रहा है। इसके बाद राज्यसभा सदस्य साकेत गोखले ने इस मुद्दे को विमानन मंत्री के सामने उठाया था।

घरेलू यात्रियों के लिए डिजी यात्रा अभी तेरह हवाई अड्डों पर उपलब्ध है। डिजी यात्रा ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हवाई अड्डों पर विभिन्न चेक प्वाइंट पर जरूरी डाटा को डिजिटली सत्यापित (वेरिफाई) करने के लिए चेहरे के बायोमेट्रिक्स का इस्तेमाल किया जाता है।

गोखले के सवाल के जवाब में सिंधिया ने कहा, इस मुद्दे की जांच की गई। हवाई अड्डे के ऑपरेटरों को सलाह दी गई है कि वे डिजी यात्रा की सहमति लेने की प्रक्रिया को संवेदनशील बनाएं। डिजी यात्रा का इस्तेमाल पूरी तरह से यात्रियों की इच्छा पर निर्भर है।

मंत्री ने 24 जनवरी को गोखले को एक पत्र लिखा। जिसमें उन्होंने बताया कि डिजी यात्रा बाधारहित औ परेशानी मुक्त हवाई यात्रा के लिए एक प्रक्रिया है, जो पूरी तरह से स्वैच्छिक है। पत्र में उन्होंने कहा, कियोस्क आधारित पंजीकरण में चेहरे का बायोमेट्रिक लेने से पहले यात्री की सहमति का नियम है। इसके अलावा, उड़ान के प्रस्थान के चौबीस घंटे बाद ही हवाई अड्डा प्रणाली से डाटा खुद-ब-खुद हट जाता है। सिंधिया ने पत्र की एक प्रति को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किया है।

डिजी यात्रा के लिए यात्री की ओर से दिए डाटा को एनक्रिप्टेड प्रारूप में रखा जाता है। इस सेवा का लाभ उठाने के लिए यात्री को आधार आधारित सत्यापन कराना होगा। इसके अलावा खुद के द्वारा खींची गई तस्वीर का

इस्तेमाल डिजी ऐप पर करना होगा। साथ ही अपना विवरण दर्ज कराना होगा। अगले चरण में बोर्डिंग पास को स्कैन करना होगा और जानकारी को हवाई अड्डे के साथ साझा करना होगा।

यात्री को सबसे पहले ई-गेट पर बार-कोड वाले बोर्डिंग पास को स्कैन करना होगा। इसके बाद ई-गेट पर लगा पेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम यात्री की पहचान करेगा और यात्रा दस्तावेज को मान्य करेगा। एक बार यह प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद यात्री ई-गेट के जरिए एयरपोर्ट में प्रवेश कर सकता सकता है। यात्री को विमान में सवार होने के लिए सामान्य प्रक्रिया का पालन करना होगा।

छात्रों को पिकनिक ले जा रही बस की ट्रक से टक्कर; तीन लड़कियों की मौत, 10 घायल

पुलिस के अनुसार, बस में करीब 50 छात्र मौजूद थे। हादसे में दो लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं, एक अन्य लड़की ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

नई दिल्ली। ओडिशा के नयागढ़ जिले में एक प्राइवेट कोचिंग सेंटर के छात्रों को पिकनिक पर ले जा रही बस एक ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में तीन लड़कियों की मौत हो गई, वहीं अन्य 10 घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा दासपल्ला क्षेत्र में सहलाभंगा जंगल के पास घटी।

पुलिस के अनुसार, बस में करीब 50 छात्र मौजूद थे। हादसे में दो लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं, एक अन्य लड़की ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। अन्य घायल छात्रों का अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

देश में निरंकुशता और भाई-भतीजावाद की जगह प्रतिभावाद ने ले लिया: धनखड़

उपराष्ट्रीयपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को बताया कि देश में निरंकुशता और भाई-भतीजावाद की जगह अब प्रतिभावाद ने ले लिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज के युवाओं के पास अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का बहुत अवसर है।

नई दिल्ली में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के वॉलंटियर्स को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा, 'कानून के समक्ष समानता अब वास्तव में स्थापित हो गई है। भ्रष्टाचार और बिचौलियों का समय खत्म हो गया है। युवाओं के पास अपनी क्षमताओं की पहचान करने का पर्याप्त अवसर है।' धनखड़ ने आगे कहा, 'भ्रष्टाचार और निरंकुशता की जगह अब लोकतंत्र की प्रतिभावाद ने ले लिया है।' एनएसएस वॉलंटियर्स उस महिला दल का हिस्सा थे, जिसने गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लिया था।

शिक्षक से 23 लाख की धोखाघड़ी मामले में दो के खिलाफ मामला दर्ज

महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक शिक्षक के साथ 23 लाख रुपये की धोखाघड़ी मामले में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दरअसल, दोनों आरोपी ने शिक्षक से मुंबई कस्थित मेडिकल कॉलेज में उसकी बेटी के लिए सीट आरक्षित रखने का वादा किया था। आरोपी की पहचान प्रेरणा बनवारीलाल शर्मा और कबीर सरकार के तौर पर की गई है। दोनों ने शिक्षक से सीट आरक्षित करने के लिए 33 लाख की मांग की थी। आरोपियों ने मैनेजमेंट कोटा के तहत कॉलेज में दाखिला कराने का दावा किया था। जब बेटी का दाखिला नहीं हुआ, तब आरोपियों ने शिक्षक को केवल दस लाख रुपये वापस किया। पुलिस ने फिलहाल दोनों आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

तेलंगाना की राज्यपाल ने पिछली सरकार पर साधा निशाना, पलटवार करने से नहीं चूके केटीआर

परिवहन विशेष जगदीश सीरवी

तेलंगाना। हैदराबाद की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने आज गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने के बाद पूर्ववर्ती बीआरएस पर तीखा हमला बोला है। तो वहीं इसपर पलटवार करने से केटी रामा राव भी नहीं चूके।

तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने शुक्रवार को राज्य की पिछली सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने हाल में हुए विधानसभा चुनाव में संविधान की भावना के विरुद्ध काम करने वाली सरकार के 10 साल के तानाशाही वाले शासन को समाप्त किया है और राज्य में जनता की सरकार बनी है। इस बयान पर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने राज्यपाल की टिप्पणियों को ₹बकवास₹ कहकर खारिज कर दिया। बता दें कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने के बाद राज्यपाल ने पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया दी थी।

पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार पर राज्यपाल ने क्या कहा?

राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन में कहा कि जनादेश ने बता दिया है कि तेलंगाना में अहंकार और निरंकुशता की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में पिछले दस साल में तबाह हुई संवैधानिक संस्थाओं, प्रणालियों और मूल्यों का पुनर्गठन किया जा रहा है और जनता की वर्तमान सरकार संवैधानिक मूल्यों, प्रणालियों और प्रक्रियाओं को पुनर्जीवित कर रही है। राज्यपाल ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार ने पिछले 10 साल तक युवाओं के लिए रोजगार और आजीविका की पूरी तरह अनदेखी की और तेलंगाना आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले नौजवानों की सुध नहीं ली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की सरकार युवाओं को रोजगार देने पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित कर रही है।

बीआरएस ने दी तीखी प्रतिक्रिया

वहीं बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने राज्यपाल की टिप्पणियों को ₹बकवास₹ कहकर खारिज कर दिया। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, ''यह (राज्यपाल की टिप्पणी) वास्तव में भयावह और निंदनीय है। राज्यपाल ने आज अपने भाषण में जो भी कहा, वह वास्तव में तेलंगाना के लोगों का अपमान करने वाला है।₹ रामा राव ने कहा कि उनकी धारणा थी कि राज्यपाल एक ₹भाजपा कार्यकर्ता₹ हैं, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा लगता है कि वह कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गई हैं। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने शुक्रवार को राज्य की पिछली सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने हाल में हुए विधानसभा चुनाव में संविधान की भावना के विरुद्ध काम करने वाली सरकार के 10 साल के तानाशाही वाले शासन को समाप्त किया है और राज्य में जनता की सरकार बनी है। इस बयान पर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने राज्यपाल की टिप्पणियों को ₹बकवास₹ कहकर खारिज कर दिया। बता दें कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने के बाद राज्यपाल ने पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया दी थी।

पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार पर राज्यपाल ने क्या कहा?

राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन में कहा कि जनादेश ने बता दिया है कि तेलंगाना में अहंकार और निरंकुशता की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में पिछले दस साल में तबाह हुई संवैधानिक संस्थाओं, प्रणालियों और मूल्यों का पुनर्गठन किया जा रहा है और जनता की वर्तमान सरकार संवैधानिक मूल्यों, प्रणालियों और प्रक्रियाओं को पुनर्जीवित कर रही है। राज्यपाल ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार ने पिछले 10 साल तक युवाओं के लिए रोजगार और आजीविका की पूरी तरह अनदेखी की और तेलंगाना आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले नौजवानों की सुध नहीं ली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की सरकार युवाओं को रोजगार देने पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित कर रही है।

बीआरएस ने दी तीखी प्रतिक्रिया

वहीं बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने राज्यपाल की टिप्पणियों को 'बकवास' कहकर खारिज कर दिया।

राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन में कहा कि जनादेश ने बता दिया है कि तेलंगाना में अहंकार और निरंकुशता की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में पिछले दस साल में तबाह हुई संवैधानिक संस्थाओं, प्रणालियों और मूल्यों का पुनर्गठन किया जा रहा है और जनता की वर्तमान सरकार संवैधानिक मूल्यों, प्रणालियों और प्रक्रियाओं को पुनर्जीवित कर रही है।

उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, ''यह (राज्यपाल की टिप्पणी) वास्तव में भयावह और निंदनीय है। राज्यपाल ने आज अपने भाषण में जो भी कहा, वह वास्तव में तेलंगाना के लोगों का अपमान करने वाला है।₹ रामा राव ने कहा कि उनकी धारणा थी कि राज्यपाल एक ₹भाजपा कार्यकर्ता₹ हैं, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा लगता है कि वह कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गई हैं।

नरसापुर मल्लिकार्जून स्वामी मेले में भाग लिया पूर्व विधायक भाजपा प्रदेश नेता कुना श्रीशैलम गौड़

तेलंगाना जगदीश सीरवी

तेलंगाना। नरसापुर विधानसभा क्षेत्र के गोलापल्ली गांव में मल्लिकार्जून स्वामी मेले में पूर्व विधायक, भाजपा प्रदेश नेता कोना श्रीशैलम गौड़ ने भाग लिया और स्वामी के दर्शन कर विशेष अनुष्ठान किया। मंदिर समिति के सदस्यों ने श्रीशैलम गौड़ गरु का ढोल चप्पल से स्वागत कर भव्य अभिनंदन किया। इस अवसर पर श्रीशैलम गौड़ गरु ने बात करते हुए कहा कि गोलापल्ली मल्लन्ना मेले में भाग लेकर बहुत खुश हुए और सभी लोगों पर मल्लन्ना की कृपा बनी रहे। उनके साथ भाजपा नेता बुच्चेरेड्डी, अकुला सतीश, बड़े श्रीनिवास यादव और अन्य नेता हैं।

नवयुवक मडल दोरनडी. कार्यकर्ता ने गोमाता को खिलाया हरा चारा गुड़ ओर स्वनो को. लड्डु

परिवहन विशेष जगदीश सीरवी

राजस्थान पाली दोरनडी मे आयोध्या. मे राम मंदिर निर्माण मे प्रभु श्री राम की प्रण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर पाली जिले के सोजत तहसील के दोरनडी ग्राम मे नवयुवक अध्यक्ष चक्रवीर सिह अपनी टीम के साथ मिलकर दोरनडी कामधेनु भोमियाजी गोशाला पहुंचे ओर.गोमाता को हरा चारा गुड ओर स्वनो को लड्डु खिलाकर धुमधाम से प्राण प्रतिष्ठा का महोत्सव मनाया इस दौरान.पतासी देवी हिरकी देवी मंजू देवी.कंचन देवी इन्द्र देवी.नब्रदादेवी पिस्ता देवी निरमादेवी ममता देवी पुजा देवी पुष्पा देवी ललिता देवी गेनाराम मोहनलाल राजुराम भगराम श्याम लाल.मोतिलाल डांगी ट्रेक्टर सयोग सोहनलाल. पटेल सहित बडी संख्या मे गौभक्तो का.सहयोग रहा।

अमित शाह का दो दिवसीय बंगाल दौरा रद्द

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दो दिवसीय बंगाल दौरा स्थगित किया गया है। यह दौरा 28 जनवरी से शुरू होने वाला था। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। यात्रा की नई तारीख की एलान जल्द किया जाएगा। शाह 29 जनवरी को पूर्वी मेदिनीपुर के मेचिदा में सार्वजनिक सभा को संबोधित करने वाले थे। इसके साथ ही राज्य में लोकसभा चुनाव की तैयारियों के लिए वह एक संगठनात्मक बैठक भी करने वाले थे।

गोवा के सीएम सावंत ने कांग्रेस पर लगाए आरोप

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने परिवारवाद का आरोप लगाते हुए कांग्रेस की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी गांधी परिवार पहले, उसके बाद पार्टी में और देश को आखिरी में रखती है। उनका ये आरोप भाजपा द्वारा कांग्रेस पर गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान राष्ट्रीय ध्वज को पार्टी के झंडे के नीचे रखकर उसका अपमान करने का आरोप लगाने के बाद आया है।

प्रमोद सावंत ने अपने ट्वीट में लिखा कि कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे पहले गांधी परिवार, दूसरे नंबर पर पार्टी और सबसे अंत में राष्ट्र में विश्वास करते हैं।

उनके इस तंज पर गोवा कांग्रेस के सोशल मीडिया प्रभारी दिव्य कुमार ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि तिरंगा अनजाने में कांग्रेस ध्वज के ध्वज स्तंभ के नीचे रख दिया गया था। साथ ही अनजाने में हुई गलती के लिए माफी भी मांगी।

वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आईएलएस और रनवे लाइटिंग सिस्टम की व्यवस्था

एक अधिकारी ने बताया कि पोर्ट ब्लेयर के वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जल्द ही उन्नत इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) और रनवे लाइटिंग सिस्टम की व्यवस्था होगी।ये सुविधाएं रात और खराब मौसम के दौरान विमान संचालन को सक्षम बनाएंगे।

हवाई अड्डे के निदेशक देवेंद्र यादव ने कहा कि डॉप्लर वेरी हाई-फ्रीक्वेंसी ओमजी रेंज (डीवीओआर) का परिचालन 19 जनवरी से पहले से ही हो चुका है। डीवीओआर एक छोटी एवं मध्यम दूरी की रेडियो नेविगेशन सिस्टम है, जो एयरक्राफ्ट को दिशा और गंतव्य स्थापित करने में मदद करती है।

गृहमंत्री अमित शाह का तेलंगाना दौरा स्थगित

गृहमंत्री अमित शाह का तेलंगाना दौरा स्थगित हो गया है, वह रविवार को हैदराबाद में लोकसभा चुनावों के मद्देनजर भाजपा की एक बैठक में हिस्सा लेने वाले थे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कुछ जरूरी कारणों के चलते केंद्रीय मंत्री का दौरा स्थगित किया गया है।

नवीन पटनायक ने किया सामेली परियोजना का उद्घाटन, समलेश्वरी मंदिर से लेकर महानदी तट का विकास भी शामिल

सामेली परियोजना के अंतर्गत हेरिटेज कॉरिडोर का निर्माण, तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाएं, मंदिर तक जाने के लिए व्यवस्थाएं और महानदी तट का विकास शामिल है।

नई दिल्ली। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने संबलपुर में सामेली परियोजना का उद्घाटन किया। इस परियोजना में मां समलेश्वरी मंदिर के आस-पास विकास शामिल है। इसके अंतर्गत हेरिटेज कॉरिडोर का निर्माण, तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाएं, मंदिर तक जाने के लिए व्यवस्थाएं और महानदी तट का विकास शामिल है। यह कार्यक्रम पुरी के जगन्नाथ मंदिर में हेरिटेज कॉरिडोर के उद्घाटन के 10 दिन बाद आयोजित किया गया था। इसके तहत 12वीं सदी के मंदिर में कई सुविधाएं जोड़ी गईं। सीएम पटनायक ने मां समलेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद सामेली परियोजना का अनावरण किया। इस मौके पर आयोजित यज्ञ में भी सीएम पटनायक शामिल हुए। एक वीडियो कॉन्फेरेंस में पटनायक ने कहा, ओडिशा उन लोगों को हमेशा याद रखेगा जिन्होंने सामेली परियोजना के लिए अपनी जमीन छोड़ दी। उन्होंने यह भी कहा कि सामेली परियोजना पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। सीएम ने बताया कि मां समलेश्वरी के आशिर्वाद से यह परियोजना पूरी हो सकी।

भजन कीर्तन कर संत सानिध्य में मनाई 28 वीं पुण्यतिथि

डाँग के हनुमान मंदिर के ब्रम्हलीन महंत गोविंददास जी त्यागी कि 28 वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को समाधि स्थल स्थित चरण पादुका का किया पूजन अर्चना

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाडा। बागोर मेवाड़ की अयोध्या नाम से जग प्रसिद्ध बागोर क्षेत्र के भीलवाड़ा रोड़ स्थित डाँग के हनुमान मंदिर में 26 जनवरी को ब्रम्हलीन महंत गोविंददास जी त्यागी बाबाजी महाराज की 28 वीं पुण्यतिथि भजन कीर्तन, रामधुनी, पूजा अर्चना सहित सुंदरकांड पाठ व हनुमान चालीसा पाठ कर सन्त सानिध्य में मनाई गई।

डाँग के हनुमान मंदिर पर बिराजे महंत साकेत बिहारीदास महाराज ने बताया कि हनुमान मन्दिर के ब्रम्हलीन महंत गोविंददास जी बाबाजी महाराज का 26 जनवरी 1996 को माही सप्तमी के दिन देवलोकगमन हो गया था। जिनकी पुण्यतिथि के अवसर पर हर वर्ष यहां मन्दिर प्रांगण में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होता आया हैं। इसी कड़ी में इस वर्ष भी 28 वीं पुण्यतिथि संत सानिध्य में मनाई गई।

महंत साकेत बिहारीदास ने बताया कि डाँग के हनुमान मंदिर के ब्रम्हलीन महंत गोविन्ददास जी त्यागी की इस 28 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर डाँग के हनुमान मंदिर पर 26 जनवरी की पूर्व संध्या 25 जनवरी गुरुवार को सुंदरकांड पाठ व हनुमान चालीसा पाठ के साथ ही रामधुनी भी की गई। वही 26 जनवरी को पण्डित युवराज योगेंद्र शास्त्री द्वारा उच्चारित मंत्रोचार के साथ ब्रम्हलीन महंत गोविन्ददास जी त्यागी बाबाजी महाराज की समाधि स्थित चरण पादुका पर पंचामृत, पुष्प, चंदन, ऋतू फल व फूलमाला अर्पित कर विधिवत पूजा अर्चना के साथ महाआरती कर संत सानिध्य में 28 वीं पुण्यतिथि मनाई गई।

इस अवसर पर महंत साकेत बिहारीदास महाराज, रामलाल, दिनेश कुमार, प्रकाश चंद्र जाट, विष्णु विवेक शर्मा, पण्डित युवराज योगेंद्र शास्त्री व फतह लाल आदि भक्तजन मौजूद थे।

मतदान से पहले पश्चिम ओडिशा 3 पार्टियों के फोकस में है

मनोरंजन सासमल, ओड़िशा

भुबनेस्वर। बिजेड़ी, भाजपा और कांग्रेस पार्टी का फोकस पश्चिम ओडिशा है. 24वें चुनाव के लिए मतदाताओं को मनाने की रणनीति तैयार की गयी है। कल मुख्यमंत्री महोदया समलस्वारी परियोजना का उद्घाटन करेंगे। पश्चिम ओडिशा की आराध्य देवी मां समलस्वारी हैं। सब का

फोकस पश्चिम ओडिशा है। 24वें चुनाव के लिए मतदाताओं को मनाने की रणनीति तैयार की गयी है। कल मुख्यमंत्री महोदया समलस्वारी परियोजना का उद्घाटन करेंगे। पश्चिम ओडिशा की आराध्य देवी मां समलस्वारी हैं। वहीं बिजेड़ी का लक्ष्य समलेई प्रोजेक्ट के जरिए वोट बैंक को दुरुस्त करना है।इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 फरवरी को संबलपुर का दौरा करेंगे।भारत जोड़ न्याय यात्रा पछिम ओड़िशा हो कर जायेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023